राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 20 जून 2025 वर्ष-8,अंक-121 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पटना में तेजस्वी के आवास के पास गोलीबारी, पुलिस ने बताया युवक से लूटपाट की कोशिश

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में पार्टी के संस्थापक लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव के आवास के पास गोलीबारी की घटना की सूचना अधिकारियों ने दी। अधिकारियों के हवाले से बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरु कर दी है। पुलिस का दावा है कि गुरुवार सुबह पोलो रोड पर जनता दल (यूनाइटेड) के मंत्री अशोक चौधरी और तेजस्वी के आवास के पास बाइक सवार दो लोगों ने एक युवक पर कथित तौर पर गोलीबारी की। पुलिस का दावा है कि यह लूट का प्रयास था। बात दें कि ये पटना के सबसे सुरक्षित इलाकों में से एक माना जाता है, जहां कई मंत्री, जज और वरिष्ठ अधिकारी रहते हैं। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने एक डॉक्टर के ड्राइवर राहुल को लूटने का प्रयास किया, जो सुबह करीब 8:15 बजे काम पर जा रहा था। पीड़ित सुरक्षित बच गया और हमलावरों ने 400 रुपये नकद लूट लिए, लेकिन उसका फोन और अन्य सामान नहीं छोड़ा। पुलिस ने मौके से एक गोली का खोखा बरामद किया है और फरार अपराधियों को पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में सुबह करीब 8:15 बजे एक युवक से झपटमारी का मामला सामने आया। वहीं पटना फायरिंग पर तेजस्वी ने पोस्ट में बिहार सरकार पर निशाना साधकर जंगल राज बताया। उन्होंने कहा कि राज्य द्वारा संरक्षित अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में खुलेआम गोलीबारी कर रहे हैं।

मोदी सरकार ने 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। 8वां वेतन आयोग लागू होने के साथ ही देश के 1 करोड़ से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की सैलरी और पेंशन में बड़ा बदलाव होगा। संशोधित वेतन संरचना 1 जनवरी, 2026 से लागू होने की उम्मीद है। हालांकि, आयोग के गठन में देरी ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच चिंता बढ़ा दी है। आयोग का एक प्रमुख फोकस फिटमेंट फैक्टर होगा। जबकि 7वें वेतन आयोग ने कारक को 2.57 पर सेट किया था, इस 8वें वेतन आयोग के तहत बढ़ाकर 2.86 किए जाने की संभावना है।

ट्रंप भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश तो नहीं कर रहे? राउत ने उठाए सवाल

-महिलाओं का सिंदूर मिटाने वाला मुनीर व्हाइट हाउस में उड़ा रहा दावत

मुंबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अमेरिका यात्रा पर भारत में सियासत शुरु हो गई है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के सहयोगी दल शिवसेना (यूबीटी) ने सवाल उठाए हैं कि मुनीर और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बैठक पर भारत सरकार की ओर से जवाब नहीं आया है। साथ ही उन्होंने आशंका जताई है कि क्या ट्रंप भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश तो नहीं कर रहे हैं। गुरुवार को राज्यसभा शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि जनरल मुनीर पाकिस्तान का जनरल आज राष्ट्रपति ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में खाना खा रहा है। उसको खास निमंत्रित दिया गया है। हम इस पर पीएम मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की राय जानना चाहते हैं। पहलगाम में महिलाओं के सिंदूर को मिटाने का दोषी असीम मुनीर है। इस दौरान राउत ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ये जनरल मुनीर को ट्रंप सम्मान देते हैं व्हाइट हाउस में उसके साथ डिनर करते हैं। अब तक हमारी सरकार की भूमिका साफ नहीं है। आपने जो ऑपरेशन सिंदूर किया है, ये उनकी वजह से हो रहा है। यह हमारे देश के लिए चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि ट्रंप कई देशों में हस्तक्षेप कर रहे हैं और सत्ता बदलना चाहते हैं। क्या वे भारत में भी ऐसा ही करना चाहते हैं? मुझे इस पर शक है।

जन्मदिन पर राहुल गांधी हुए नए बंगले में शिफ्ट

-अब 10 जनपथ की जगह लुटियंस जोन हुआ नया पता

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने 55वें जन्मदिन पर नई शुरुआत करते हुए राजधानी के वीवीआईपी इलाके लुटियंस जोन के सुनहरी बाग रोड स्थित सरकारी बंगले में शिफ्ट कर लिया है। यह बंगला उन्हें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर आवंटित किया गया है। इससे पहले वे अपनी मां सोनिया गांधी के साथ 10 जनपथ में रह रहे थे। संसदीय आवास समिति ने राहुल गांधी को तीन विकल्प दिए थे, इनमें 5, सुनहरी बाग रोड; 7, मोतीलाल नेहरू मार्ग; और 3, कृष्णा मेनन मार्ग। राहुल ने इनमें से सुनहरी बाग रोड के बंगले को चुना। यह बंगला पहले सीनियर कैबिनेट मंत्रियों और संवैधानिक पदों पर रहने वाले प्रमुख व्यक्तियों को आवंटित किया जाता रहा है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने वर्ष 2023 में दिल्ली के 12 तुगलक लेन स्थित आवास को खाली किया था, जहां वे लगभग 19 वर्षों तक रहे। सांसद पद से अयोग्यता के कारण उन्हें वह बंगला छोड़ना पड़ा था।

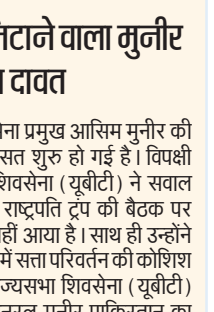

क्यों खास है सुनहरी बाग का बंगला?

राहुल गांधी को मिला यह बंगला दिल्ली के सबसे प्रतिष्ठित और सुरक्षित इलाकों में से एक लुटियंस दिल्ली में स्थित है। बंगले का क्षेत्रफल करीब 2000 से 3000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। इसमें 4 से 5 बड़े बेडरूम, एक ऑफिस, बैठक हॉल, प्राइवेट लॉन, मीडिया कॉन्फ्रेंस रूम, सुरक्षा कर्मियों के लिए अलग कक्ष, स्टाफ क्वार्टर और पार्किंग की सुविधा मौजूद है। यह बंगला न केवल उनके पद की गरिमा के अनुसार है, बल्कि यहां विपक्ष के नेता के रूप में बैठकों, संवाददाताओं से बातचीत और रणनीतिक चर्चा के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

ईरान के अंत का समय आ गया क्या, अमेरिका आसामान में उड़ान भरने लगा प्रलय का जेट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजरायल और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का डूम्सडे प्लेन कहे जाने वाले सैन्य विमान ई-4बी ने उड़ान भरी है। यह जेट अमेरिका में उड़ान भरते हुए दिखाई दिया है। इससे वॉशिंगटन के जल्दी ही ईरान-इजरायल युद्ध में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। ई-4बी नाइटवॉच एयरक्राफ्ट परमाणु हमले जैसे बड़े संकट के दौरान अमेरिका के शीर्ष सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व को बचाने के लिए तैयार किया गया है। इस विमान का उड़ान भरना और आर्डर01 नाम के नए कॉलसाइन का उपयोग करने ने इन अटकलों को हवा दी है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ लड़ाई में उतरने को तैयार है।

ई-4बी नाइटवॉच ने अमेरिका के लुइसियाना में बार्क्सडेल एयरफोर्स बेस से उड़ान भरी और चार घंटे तक हवा में रहने के बाद रात 10 बजे के तुरंत बाद मैरीलैंड में जॉइंट बेस एंड्रयूज पर उतरा। इसके अलावा इस उड़ान में सामान्य आर्डर6 के बजाय एक नए कॉलसाइन आर्डर01 का इस्तेमाल हुआ, जिसका पहले कभी उपयोग नहीं हुआ है। इसके बाद सवाल है कि ईरान-इजरायल युद्ध में क्या कुछ भयावह होने जा रहा है।

अमेरिकी जेट ई-4बी विमान नियमित रूप से ऑपरेशनल तैयारी की जांच के लिए उड़ान भरते रहते हैं लेकिन इस विशेष उड़ान का समय ध्यान खींच रहा है। विमान ने तब उड़ान भरी, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की है और इजरायल को लिए पूर्ण समर्थन का वादा कर दिया है। अमेरिका का ई-4बी डूम्सडे प्लेन (प्रलय का जेट) के नाम से मशहूर है। ई-4बी नाइटवॉच एक सुरक्षित मोबाइल कमांड सेंटर के रूप में काम करता है, जिसे परमाणु हमलों और इल्क्ट्रो मैग्नेट पल्स का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह जेट 67 सैटेलाइट डिश और एंटेना से लैस है, जो वैश्विक संचार को सक्षम बनाता है। यह आपात स्थिति में राष्ट्रपति, रक्षा सचिव और वरिष्ठ सैन्य नेताओं के लिए कनेक्टिविटी सुनिश्चित करता है।

ई-4बी प्लेन में तीन डेक हैं, जिसमें एक ब्रीफिंग रूम, एक रणनीतिक सम्मेलन कक्ष, एक संचार क्षेत्र और आराम के लिए 18 बंक शामिल हैं। यह हवा में ईंधन भरने की क्षमता के कारण बिना उतरे 35 घंटे से अधिक समय तक हवा में रह सकता है। ई-4बी नाइटवॉच महत्वपूर्ण संकटों के दौरान सक्रिय रहा है।

पीएम मोदी ने क्रोएशिया के राष्ट्रपति ज़ोरान पट्टचित्र पेंटिंग और सिल्वर कैंडल स्टैंड उपहार में दिया

जाग्रेब (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रोएशिया की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान क्रोएशिया के राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविच को एक पट्टचित्र पेंटिंग उपहार के तौर पर दी। पट्टचित्र ओडिशा का एक सुंदर पारंपरिक कला रूप है, जो कपड़े पर अपनी विस्तृत और रंगीन पेंटिंग के लिए मशहूर है। इसका नाम पट्टा (कपड़ा) और चित्र (चित्र) से आया है। ये कलाकृतियाँ आमतौर पर भारतीय पौराणिक कथाओं, खासकर भगवान कृष्ण और जगन्नाथ परंपरा से जुड़ी कहानियाँ दिखाती हैं। कलाकार बोल्ड लाइन और विस्तृत दृश्य बनाने के लिए प्राकृतिक रंगों और हस्तनिर्मित ब्रश का प्रयोग करते हैं।

इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने क्रोएशिया के प्रधानमंत्री प्लेंकोविच को सिल्वर कैंडल स्टैंड उपहार में दिया। राजस्थान का यह सिल्वर कैंडल स्टैंड इस क्षेत्र की पारंपरिक धातु कला का एक सुंदर उदाहरण है। कुशल कारीगरों द्वारा हस्तनिर्मित, इसमें सदियों पुरानी उत्कीर्णन तकनीकों का उपयोग करके बनाए गए विस्तृत पुष्प और ज्यामितीय डिज़ाइन हैं। इसका सुंदर आकार और बढ़िया पैटर्न इस एक शाही और कालातीत रूप देते हैं। राजस्थान, विशेष रूप से उदयपुर और जयपुर जैसे शहर अपनी चांदी की शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध हैं। डिज़ाइन अक्सर महलों और मंदिरों से प्रेरणा लेते हैं।

इसके पहले ज़ाग्रेब में गर्मजोशी और उत्साह के साथ स्वागत करने पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने समकक्ष प्लेंकोविच और क्रोएशियाई सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। दोनों देशों के बीच साझा आधार पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ÷भारत और क्रोएशिया लोकतंत्र, कानून का शासन, समानता और अन्य जैसे साझा मूल्यों से जुड़े हुए हैं। द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप की घोषणा कर पीएम मोदी ने कहा, हमने अपने तीसरे कार्यकाल में अपने द्विपक्षीय संबंधों को तीन गुना गति देने का फैसला किया है। प्रशिक्षण, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योग विकास जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए एक रक्षा सहयोग योजना पर विचार किया जा रहा है। व्यापार वृद्धि के लिए पहचाने गए प्रमुख क्षेत्रों में फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, आईटी, स्वच्छ और डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा शामिल हैं।

ऑपरेशन सिंधु से लौटी खुशियों की मुस्कान, ईरान से110 भारतीय छात्रों को निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच हो रही बमबारी में सैकड़ों छात्रों की जान खतरे में थी। केंद्र की मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंधु चलाकर इन्हे निकालने का काम शुरु कर दिया है।

भारत ने ईरान में फंसे 110 भारतीयों की सुरक्षित वापसी करवाई है। ऑपरेशन सिंधु के तहत इन भारतीय छात्रों को लेकर पहला विमान गुरुवार को आर्मेनिया के येरेवन से नई दिल्ली पहुंचा। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि तेहरान में रहने वाले छात्रों को भारतीय दूतावास के साथ मिलकर सुरक्षित रूप से निकाला गया है। विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान जारी कर कहा, भारतीय दूतावास की मदद से तेहरान में भारतीय छात्रों को शहर से बाहर निकाल लिया गया है।

भारतीय अधिकारियों ने भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए ईरान और अर्मेनिया की मदद की सराहना भी की है। बता दें कि संघर्ष शुरू होने के बाद से ही ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है, जिससे फंसे नागरिकों की मुसीबतें और बढ़ गईं। वहीं आस पास के देशों में भी दर्जनों एयरपोर्ट बंद कर दिए गए हैं। इसके बाद भारत ने नागरिकों की वापसी के लिए ईरान से बॉर्डर तक सुरक्षित रास्ता मुहैया कराने का अनुरोध किया था।ईरान के इस अनुरोध को स्वीकारने के बाद छात्रों को अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के जरिए बाहर निकलने की सलाह दी गई है। भारतीय दूतावास ने ईरान में 24गुना7 कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। बता दें कि ईरान में 4,000 से अधिक भारतीय नागरिक रहते हैं। इनमें से ज्यादातर छात्र हैं।

गुरुवार सुबह पहली फ्लाइट हुई लैंड

जानकारी के मुताबिक भारतीय छात्र 18 जून को एक विशेष फ्लाइट में येरेवन के ज़्वार्टनोट्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुए थे। विमान 19 जून की सुबह नई दिल्ली में लैंड हुआ। इससे पहले भारत ने ईरान में फंसे लोगों को सुरक्षित वापस लाने के लिए ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी घोषणा की थी। उन्होंने लिखा, भारत ने ईरान से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। भारत विदेश में अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के लैक बॉस की जांच अब अमेरिका में होगी

दुर्घटना में ब्लैक बॉक्स बुरी तरह क्षतिग्रस्त, डाटा निकालना मुश्किल

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे में ब्लैक बॉक्स मिलने के बाद उम्मीद की जा रही थी कि हादसे के ठीक कारणों का पता चल जाएगा, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विमान हादसा इतना भयानक था कि विमान का ब्लैक बॉक्स भी क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसे में इससे डाटा निकालना मुश्किल है। अब इस ब्लैक बॉक्स को अमेरिका भेजने की तैयारी की जा रही है।

बताया जा रहा है कि अहमदाबाद विमान हादसे में बरामद ब्लैक बॉक्स का डाटा रिकवर करने अमेरिका भेजा जाएगा। इस मामले पर भारत सरकार की तरफ से जल्द ही फैसला लिया जाएगा। वाशिंगटन डीसी का नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड इसकी जांच करेगा। इस ब्लैक बॉक्स के साथ एक भारतीय दल भी भेजा जाएगा, जो जांच के दौरान सभी प्रोटोकॉल की निगरानी करेगा। ब्लैक बॉक्स अपने आप में दो डिवाइस होता है। इसमें कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर होता है। इसमें सीवीआर और एफडीआर लगा होता है जो उड़ान के दौरान सारी जानकारियां इकट्ठा करता रहता है। ये एक ऐसा उपकरण होता है, जो किसी विमान, हेलीकॉप्टर में लगाया जाता है। उड़ान के दौरान ये डिवाइस अहम जानकारी इकट्ठा करता है। जब कोई विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, तो ब्लैक बॉक्स की मदद से ही पता लगाया जाता है यह बहुत मजबूत और आग प्रतिरोधी होता है। बता दें बीते गुरुवार को अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था। यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, उड़ान भरने के चंद सेकंडों में यह क्रैश हो गया और आग गोला बनकर कई जिंदगियां लील गया। इस हादसे में विमान में मौजूद 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। इसके अलावा जिस बिल्डिंग से विमान टकराया, उसके आसपास मौजूद कई लोगों की मौत हो गई थी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने क्यों कहा, अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाषा विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक और मोर्चा खोलकर कहा कि देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। एक कार्यक्रम में गृह मंत्री ने कहा कि देशी भाषाएं भारत की पहचान के लिए केंद्रीय हैं और उन्हें विदेशी भाषाओं पर प्रमुखता मिलनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी, इसतरह के समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। मेरा मानना है कि अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं रह सकते। शाह ने कहा कि जब देश का कालखंड घनघोर अंधेरी रात्रि जैसा था, तब भी भक्ति साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीयों को जलाकर रखा था... साहित्य एक प्रकार से हमारे समाज की आत्मा है... आज हम सभी को देश में परिवर्तन दिख रहा है... मुझे विश्वास है कि 2047 तक यह यात्रा निश्चित रूप से हमारे सभी प्रकार के खोए हुए गौरव और समाज को वापस दिलाने का काम करेगी। उन्होंने भारत की भाषाई विरासत को पुनः प्राप्त करने के लिए पूरे देश में नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। शाह ने भविष्यवाणी की कि दुनिया भर में अंग्रेजी को औपनिवेशिक गुलामी के प्रतीक के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे देश, हमारी संस्कृति, हमारे इतिहास और हमारे धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती।

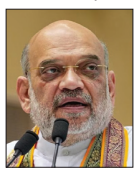

मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं- पार्टी को तय करने दीजिए कि वह मेरे बारे में क्या सोचती है - शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य शशि थरूर ने स्वीकार किया है कि पार्टी नेतृत्व में कुछ नेताओं से उनके मतभेद हैं। लेकिन नीलांबुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के मद्देनजर वह इस बारे में बात नहीं करेंगे। थरूर ने कहा कि कांग्रेस, उसके मूल्य और उसके कार्यकर्ता उन्हें बहुत प्रिय हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद, नरेन्द्र मोदी सरकार के रुख का समर्थन करने के कारण थरूर कुछ पार्टी सहयोगियों के निशाने पर रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्होंने 16 वर्ष तक पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ निकटता से काम किया है और वह उन्हें अपना करीबी मित्र एवं भाई मानते हैं।

थरूर ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व में कुछ लोगों से मेरी राय अलग है। आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं, क्योंकि उनमें से कुछ मुद्दे सार्वजनिक हैं और आपने (मीडिया ने) इस बारे में खबरें दी हैं। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनके मतभेद राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ हैं या प्रदेश नेतृत्व के साथ। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने संकेत दिया कि वह उपचुनाव के नतीजों के बाद उन मतभेदों के बारे में बात कर सकते हैं। थरूर की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पार्टी के एक नेता द्वारा उन्हें ''भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताये जाने के बाद कांग्रेस ने सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन नहीं किया। पूर्व कांग्रेस सांसद उदित राज ने थरूर को भाजपा का ''सुपर प्रवक्ता करार दिया था क्योंकि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के तहत विदेश दौरे पर गए तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कथित तौर पर कहा था कि भारत ने पहली बार 2015 में नियंत्रण रेखा पार की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने बृहस्पतिवार को इसे ''गलत धारणा करार दिया।

थरूर ने यह भी कहा कि उन्होंने इस विषय पर बहस में न पड़ने का फैसला किया क्योंकि वह प्रतिनिधिमंडल के दौरे में बहुत व्यस्त थे और वह उन बयानों पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहते जो उनके द्वारा कही गई बातों को समझे बिना दिये गए हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह पार्टी छोड़ने जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि वह ''कहीं नहीं जा रहे हैं। मैं कांग्रेस पार्टी का सदस्य हूं। पार्टी को तय करने दीजिए कि वह मेरे बारे में क्या सोचती है। उनसे जब पूछा गया कि वह उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान का हिस्सा क्यों नहीं थे, तो थरूर ने कहा कि उन्हें इसके लिए आमंत्रित नहीं किया गया था, जबकि पिछले साल वायनाड में हुए उपचुनाव सहित अन्य उपचुनावों के दौरान आमंत्रित किया जाता रहा है।

उन्होंने कहा, ''मैं वहां नहीं जाता, जहां मुझे आमंत्रित नहीं किया गया हो। उन्होंने साथ ही कहा कि वह चाहते हैं कि पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रचार अभियान के प्रयास सफल हों और नीलांबुर से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) उम्मीदवार की जीत हो।

ईरान का परमाणु सामान क्या पाकिस्तान पहुंचा सकता है अमेरिका

-ट्रम्प-मुनीर व्हाइट हाउस मुलाक़ात के भीतर की कहानी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इज़राइल-ईरान युद्ध की आहट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर की हालिया व्हाइट हाउस बैठक ने कूटनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। बैठक, जो एक अनौपचारिक लंच के रूप में आयोजित की गई, पर अब पूर्व पेंटागन अधिकारी और अमेरिकन एंटरप्राइज़ इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ विश्लेषक माइकल रूबिन के खुलासों ने नई बहस छेड़ दी है।

दरअसल रूबिन का दावा है कि ट्रम्प प्रशासन पाकिस्तान को 'पसंदीदा मित्र' बताकर रणनीतिक सौदा करना चाहता है। उनके अनुसार, यदि अमेरिका-इज़राइल गठजोड़ ईरान के परमाणु ठिकानों पर निर्णायक कार्रवाई करता है, तो वहां बची-खुची संवेदनशील परमाणु सामग्री को पाकिस्तान में अस्थायी रूप से रखा जा सकता है। रुबिन ने कहा है कि ट्रम्प पाकिस्तान को दोस्त इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उन्हें उस दोस्ती से फ़ायदा उठाना है। इसी के साथ रूबिन ने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान आज स्वतंत्र नहीं, बल्कि चीन का प्रॉक्सी बन चुका है। ऐसे में संभव है कि मुनीर ने व्हाइट हाउस में बीजिंग के संदेश भी पहुँचाए हों। चीन की सबसे बड़ी चिंता फारस की खाड़ी से होने वाली तेल आपूर्ति पर संभावित बाधा है; लंबा युद्ध उसकी अर्थव्यवस्था को अमेरिका से कहीं ज़्यादा चोट पहुँचा सकता है।

रूबिन आगाह करते हैं कि अमेरिका को पाकिस्तान को एक डॉलर भी नहीं देना चाहिए, क्योंकि वह अपने स्वार्थ में ही साथ देगा। दूसरी ओर, यदि वाकई ईरान का परमाणु जखीरा हटाना पड़ा, तो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा-तंत्र को किसी विश्वसनीय तीसरे देश की आवश्यकता होगी। क्या यह भूमिका पाकिस्तान निभाएगा या कोई और—अभी स्पष्ट नहीं, पर ट्रम्प-मुनीर लंच ने विकल्पों के दरवाज़े ज़रूर खोल दिए हैं।

दबाव और 'दोस्ती' का दोहरा फार्मूला

रूबिन का मानना है कि ट्रम्प, जनरलों से प्रभावित रहते हैं; लिहाज़ा पाकिस्तान के निर्वाचित नेतृत्व से अधिक मुनीर उन्हें उपयोगी लगते हैं। हो सकता है निजी मुलाक़ात में ट्रम्प ने कड़वी चेतावनी दी हो और सार्वजनिक मंच पर दोस्ती की मिठास दिखाई हो।

रणनीतिक लिहाज़ से क्यों अहम है पाकिस्तान

900किमी सीमा— पाकिस्तान-ईरान बॉर्डर अमेरिकी सेनाओं को ज़मीनी या हवाई अभियानों के लिए अग्रिम आधार दे सकता है।

एयरस्पेस एक्सेस— अफ़ग़ानिस्तान युद्ध की तरह, अमेरिकी बमवर्षक और ड्रोन ईरान के पूर्वी मोर्चे पर अधिक सहजता से पहुँच पाएंगे।

लॉजिस्टिक नेटवर्क— कराची और ग्वादर बंदरगाहों के माध्यम से उभरता नौसैनिक सहयोग अमेरिका को मध्य-पूर्व में लचीलापन देगा।

पाकिस्तान के लिए दुविधा

ट्रम्प ने हाल में इस्लामाबाद को पसंदीदा मित्र कहा है। कूटनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यही सौहार्दपूर्ण बयान आगे चलकर राजनयिक दबाव में बदल सकता है। सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान चीन एवं घरेलू राजनीति के बीच संतुलन बना पाएगा, या वाशिंगटन की रणनीतिक माँगों के आगे झुकना पड़ेगा?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत, शरणार्थी का दर्द

(लेखक- संजय गोस्वामी)

(विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून25 पर विशेष)

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताक़त का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो। तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाज़ी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है। हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है। इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है। 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान् तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रांरभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेंजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख़ पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेंजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेंजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को 5000 नेपाली रुपये हरज़ाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुन- स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन् 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गया- 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे। 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही। इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यत: बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है। चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है।चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं।दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी ख़तरा मानता है।तिब्बत का इतिहास बेहद उथल-पुथल भरा रहा है। कभी वो एक खुदमुख़्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताक़तवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की। लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हज़ारों की संख्या में सैनिक भेज दिए। तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाक़ी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया।लेकिन साल 1959 में चीन के ख़िलाफ़ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया। साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज़्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया। माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हज़ारों तिब्बतियों की जाने गई थीं।चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की क़ानूनी स्थिति को लेकर है। चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा। मंगोल राजा कुबलई ख़ान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था।फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने। 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया। लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1912 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतन्त्रता की घोषणा की। फिर 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियन्त्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हस्ताक्षर करा लिए जिसके अधीन तिब्बत की प्रभुसत्ता चीन को सौंप दी गई। दलाई लामा भारत भाग आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं।जब 1949 में चीन ने तिब्बत पर क़ब्ज़ा किया तो उसे बाहरी दुनिया से बिल्कुल काट दिया।तिब्बत में चीनी सेना तैनात कर दी गई, राजनीतिक शासन में दख़ल किया गया जिसकी वजह से तिब्बत के नेता दलाई लामा को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।फिर तिब्बत का चीनीकरण शुरू हुआ और तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और परम्परा सबको निशाना बनाया गया।किसी बाहरी व्यक्ति को तिब्बत और उसकी राजधानी ल्हासा जाने की अनुमति नहीं थी, इसीलिये उसे प्रतिबन्धित शहर कहा जाता है। विदेशी लोगों के तिब्बत आने पर ये पाबंदी 1963 में लगाई गई थी। हालांकि 1971 में तिब्बत के दरवाज़े विदेशी लोगों के लिए खोल दिए गए थे।चीन और दलाई लामा का इतिहास ही चीन और तिब्बत का इतिहास है। सन 1409 में जे सिखांपा ने जेलग स्कूल की स्थापना की थी। इस स्कूल के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रचार किया जाता था।यह जगह भारत और चीन के बीच थी जिसे तिब्बत नाम से जाना जाता है। इसी स्कूल के सबसे चर्चित छात्र थे गेंदुन द्रुप। गेंदुन आगे चलकर पहले दलाई लामा बने। बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को एक रूपक की तरह देखते हैं। इन्हें करुणा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। दूसरी तरफ इनके समर्थक अपने नेता के रूप में भी देखते हैं। दलाई लामा को मुख्य रूप से शिक्षक के तौर पर देखा जाता है। लामा का मतलब गुरु होता है। लामा अपने लोगों को सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देते हैं। तिब्बती बौद्ध धर्म के नेता दुनिया भर के सभी बौद्धों का मार्गदर्शन करते हैं।1630 के दशक में तिब्बत के एकीकरण के वक़्त से ही बौद्धों और तिब्बती नेतृत्व के बीच लड़ाई है। मान्चु, मंगोल और ओइरात के गुटों में यहां सत्ता के लिए लड़ाई होती रही है। अंतत: पांचवें दलाई लामा तिब्बत को एक करने में कामयाब रहे थे। इसके साथ ही तिब्बत सांस्कृतिक रूप से संपन्न बनकर उभरा था। तिब्बत के एकीकरण के साथ ही यहां बौद्ध धर्म में संपन्नता आई। जेलग बौद्धों ने 14वें दलाई लामा को भी मान्यता दी। दलाई लामा के चुनावी प्रक्रिया को लेकर ही विवाद रहा है। 13वें दलाई लामा ने 1912 में तिब्बत को स्वतंत्र घोषित कर दिया था। करीब 40 सालों के बाद चीन के लोगों ने तिब्बत पर आक्रमण किया। चीन का यह आक्रमण तब हुआ जब वहां 14वें दलाई लामा के चुनने की प्रक्रिया चल रही थी। तिब्बत को इस लड़ाई में हार का सामना करना पड़ा। कुछ सालों बाद तिब्बत के लोगों ने चीनी शासन के ख़िलाफ़ विद्रोह कर दिया। ये अपनी संप्रभुता की मांग करने लगे।हालांकि विद्रोहियों को इसमें सफलता नहीं मिली। दलाई लामा को लगा कि वह बुरी तरह से चीनी चंगुल में फंस जाएंगे। इसी दौरान उन्होंने भारत का रुख किया। दलाई लामा के साथ भारी संख्या में तिब्बती भी भारत आए थे। यह साल 1959 का था। चीन को भारत में दलाई लामा को शरण मिलना अच्छा नहीं लगा। तब चीन में माओत्से तुंग का शासन था। दलाई लामा और चीन के कम्युनिस्ट शासन के बीच तनाव बढ़ता गया। दलाई लामा को दुनिया भर से सहानुभूति मिली लेकिन अब तक वह निर्वासन की ही ज़िंदगी जी रहे हैं।चीन-तिब्बत संबंधों से जुड़े कई सवाल हैं जो लोगों के मन में अक्सर आते हैं। जैसे कि क्या तिब्बत चीन का हिस्सा है? चीन के नियंत्रण में आने से पहले तिब्बत कैसा था? और इसके बाद क्या बदल गया? तिब्बत की निर्वासित सरकार का कहना है, इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि इतिहास के अलग-अलग कालखंडों में तिब्बत विभिन्न विदेशी शक्तियों के प्रभाव में रहा था। मंगोलों, नेपाल के गोरखाओं, चीन के मंचू राजवंश और भारत पर राज करने वाले ब्रितानी शासक, सभी की तिब्बत के इतिहास में कुछ भूमिकाएं रही हैं। लेकिन इतिहास के दूसरे कालखंडों में वो तिब्बत था जिसने अपने पड़ोसियों पर ताक़त और प्रभाव का इस्तेमाल किया और इन पड़ोसियों में चीन भी शामिल था।1951में चीन ने एक शांति प्रिय देश को गुलाम बनाकर भगवान बुद्ध की पावन नगरी को तहस नहस कर दिया है सन्1961 में तिब्बत के 14वें धर्म गुरु दलाई लामा ने लगभग 85हजार अनुयाई के साथ भारत के धर्मशाला(एचपी) में अपना अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अपना अस्थाई स्ट्रक्चर ष्ट्रञ्ज के रूप में अपने वजूद को बचाने के लिए बहुत ही मुश्किल समय में सरकार चला रहा है और भारत भी उनके साथ हिम्मत से खड़ा है 48मंत्रिमंडल बाले तिब्बत के अस्थाई सरकार को चलाने के लिए विश्व से अपनी आजादी की मांग कर रहा है हालांकि भारत ने मैत्रीपूर्ण संबंध में कोई कमी नहीं होने दिया है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दिया है कि अगला दलाई लामा चुनने का अधिकार तिब्बत को ही होगा।तिब्बत दुनिया का सबसे ऊंचा और सबसे लंबा पठार है। एशिया में बहने वाली कई बड़ी नदियां तिब बत से ही निकलती हैं। ऐसे में जब भी पानी की किल्लत होगी ये इलाका भारत के लिए फायदे साबित होगा। यहां पर लिथियम, यूरेनियम और सबसे अहम यहां भरपूर मात्रा में पाया जाता है अयस्कों के खनन के लिए तिब बत बहुत महत्वपूर्ण है यूरेनियम के भंडार होने के कारण तिब्बत परमाणु उद्योग के लिए अच्छा साबित होगा। तिब्बत भारत और चीन के बीच मुख्य मुद्दा है। मगर इसका हल शांति से हो। तिब बत समस- या का हल निकलने के बाद भारत और चीन के बीच जो सीमा विवाद है, उसका हल भी निकल आएगा।

संपादकीय

मोदी- ट्रंप वार्ता

यह ध्रुव सत्य है कि अमेरिका की तमाम रीतियां व नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। जहां उसे अपने आर्थिक व सामरिक हित नजर आते हैं, वहीं उसकी सभी रीति-नीतियां ठहर जाती हैं। दशकों से आतंक की पाठशाला चला रहे पाकिस्तान को आंतकवाद के खिलाफ कथित साझेदारी के लिये उपकृत करने वाले अमेरिका के मंसूबों को समझा जा सकता है। विडंबना यह है कि पिछले एक महीने से भी ज्यादा समय से अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऑप्रेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान को कथित रूप से युद्ध विराम के लिये सहमत कराने के लिये खुद की ही पीठ थपथपा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उन्होंने दस मई को अमेरिका की मध्यस्थता में देर रात तक बातचीत के दावे के बाद कथित रूप से पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम की घोषणा करके दुनिया को चौंका दिया था। पल-पल अपना रुख बदलने के लिये कुख्यात ट्रंप इस विवादास्पद मामले पर अपनी बात मनवाने पर अड़े हुए हैं। मगर बार-बार उनके द्वारा दोहराए जाने वाले दावे भारत की परेशानी का सबब बन रहे हैं। भारत ने ऐतिहासिक रूप से द्विपक्षीय विवादों को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से दूर रखा है। अब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिकॉर्ड को सही करने का प्रयास किया है, और वह भी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इस्लामाबाद के अनुरोध पर ऑप्रेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हमलों को रोक दिया था, न कि मध्यस्थता या अमेरिका द्वारा किसी व्यापार सौदे की किसी पेशकश के कारण। यह दावा डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रचार को सिरे से खारिज करता है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को समझाने के लिये व्यापार कार्ड का इस्तेमाल किया था। लेकिन इसके बावजूद बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री की सीधी बात ट्रंप को समझ आएगी? क्या ये बातचीत ट्रंप को भारत व पाक मामलों में हस्तक्षेप करने से रोके पाएगी? लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया कारगुजारियों से तो ऐसा होता नजर नहीं आता। पहले बात अमेरिका को स्पष्ट समझा दी जानी चाहिए कि वह भारत व पाक को एक तराजू में तोलने की भूल न करे। हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान जिस तरह ट्रंप प्रशासन ने विवादास्पद पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर को तरजीह दी, उसका कोई तार्किक आधार नजर नहीं आता। बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की लंच पर मेजबानी करके नवीनतम भड़काऊ कदम ही उठाया है। उसे देखते हुए यह संभावना असंभव ही लगती है कि ट्रंप दोनों देशों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बाज आएंगे। यह वही मुनीर आलम है जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले से बमुश्किल एक सप्ताह पूर्व कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। इसके अलावा उन्होंने संकीर्ण सांप्रदायिक टिप्पणियां भी की थी। यह बात अतार्किक ही लगती है कि अमेरिका पाक को अपने साथ आतंकवाद विरोधी साझेदारी को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिये पुरस्कृत कर रहा है। दोनों देशों के बीच पक रही यह खिचड़ी भारतीय कूटनीति के लिये एक बड़ी चुनौती कही जा सकती है। मोदी सरकार को पाकिस्तान को खुले समर्थन को लेकर अमेरिका का सामना करने के पक्ष और विपक्ष के हमलों का मुकाबला करना होगा। निश्चित रूप से दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से पीड़ित भारत इस स्थिति को हल्के में नहीं ले सकता। भारत को पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण के प्रयासों को विफल करने के लिये हर संभव प्रयास करने होंगे। अब चाहे अमेरिका को ये पसंद आए, चाहे न आये।

विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून 2025 - मान्यता के माध्यम से एकजुटता

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर हर वर्ष विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून को मनाया जाता है जिसकी प्रतिवर्ष एक थीम होती है,जो 20 जून 2025 की थीम मान्यता के माध्यम से एकजुटता है।असल में,दुनिया भर में एक बड़ी संख्या में शरणार्थी रहते हैं। इनके साथ आए दिन प्रताड़ना, संघर्ष और हिंसा जैसी कई चुनौतियों के कारण इनको अपना देश छोड़कर बाहर भागने को मजबूर होना पड़ता है। जिसके बाद इन सभी को कई देशों में पनाह मिल जाती है। वहीं, कई देशों से इनको निकाल भी दिया जाता है। बेशक इन्हें पनाह मिल जाए, लेकिन वो सम्मान और अधिकार नहीं मिल पाते।शरणार्थी के साहस, शक्ति और संकल्प के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। इसके साथ ही इस दिन को मनाये जाने का एक अन्य उद्देश्य शरणार्थियों की बुरी दुर्दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना और उनकी समस्याओं का हल करना है,संयुक्त राष्ट्र 1951 शरणार्थी सम्मेलन और इसके प्रोटोकाल 1967, हालांकि भारत अमेरिका ने इसपर हस्ताक्षर नहीं किए हैं,परंतु इसके अनुसार शरणार्थी सम्मेलन और इसका 1967 प्रोटोकॉल अत्यंत महत्वपूर्ण है शरणार्थी दुनियाँ के सबसे कमजोर लोगों में से हैं। यह सम्मेलन और प्रोटोकॉल उनकी सुरक्षा में मदद करता है। वे एकमात्र वैश्विक कानूनी साधन हैं जो स्पष्ट रूप से एक शरणार्थी के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करते हैं। उनके प्रावधानों के अनुसार, शरणार्थी, कम से कम, किसी दिए गए देश में अन्य विदेशी नागरिकों के साथ व्यवहार के समान मानकों के पात्र हैं और, कई मामलों में,नागरिकों के समान व्यवहार।1951 के कन्वेंशन में कई अधिकार शामिल हैं और यह अपने मेजबान देश के प्रति शरणार्थियों के दायित्वों पर भी प्रकाश डालता है। 1951 के कन्वेंशन की आधारशिला गैर-रिफाउलमेंट का सिद्धांत है। इस सिद्धांत के अनुसार, एक शरणार्थी को उस देश में नहीं लौटाया जाना चाहिए जहां उसे अपने जीवन या स्वतंत्रता के लिए गंभीर खतरा है। शरणार्थियों द्वारा इस सुरक्षा का दावा नहीं किया जा सकता है,जिन्हें देश की सुरक्षा के लिए उचित रूप से खतरा माना जाता है, या विशेष रूप से गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है,उन्हें समुदाय के लिए खतरा माना जाता है। परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भाववाणी गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि अभी 1951 सम्मेलन तथा 1967 के प्रोटोकॉल को संशोधन करने की जरूरत आन पड़ी है?क्योंकि वर्तमान समय में हम अमेरिका- भारत-पाकिस्तान सहित अनेकों देशों में हो रहे गंभीर दंगों व आवर्ज़न विवादों के कारण माहौल दंगों में बदलने की संभावना हो गई है?भारत का ऑपरेशन पुशबैक व अमेरिका का टारगेट3000 से दंगा भड़क उठा है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे वैश्विक परिपेक्ष में जबरन स्वार्थी पलायन शरणार्थी बनाम भय उत्पीड़न हिंसा व पर्यावरणीय जलवायु परिवर्तन शरणार्थी।

साथियों बात अगर हम अमेरिका की करें तो,वहां भी घुसपैठ का हाल कमोबेश ऐसा ही है। यह जब एक बार घुसपैठिया अंदर आ जाता है तो उसको डिपोर्ट करना भी इसी तरह एक लंबा और विवादास्पद मामला बन जाता है। अमेरिका में लॉस एंजिल्स न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को जैसे कुछ ऐसे शहर हैं,जहाँ अधिकारियों को इन घुसपैठियों से पूछताछ करने या उन्हें हिरासत में लेने की अनुमति नहीं है। ये शहर डिपोर्ट करने के आदेशों या पुलिस के साथ सहयोग करने से साफ इनकार करते हैं, उन्हें कानून प्रवर्तन के राजनीतिक हथियार के रूप में देखते हैं।जून 2025 की शुरुआत से लॉस एंजिल्स में इसी से जुड़ा एक नाटक चल रहा है। यहाँ घुसपैठियों पर जब एक्शन चालू हुआ तो इसके विरोध में प्रदर्शन होने लगे। पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस और रबर की गोलियाँ चलाई। यहाँ इसके बाद यूनियन नेता को गिरफ्तार कर लिया गया, सरकार ने इसके बाद टाइटल 10 कानून के तहत 4,000 नेशनल गार्ड सैनिकों और 700 मरीन को तैनात करके जवाब दिया। इसके बाद तो बवाल और बढ़ा। कई कारों को जला दिया गया, सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया, कई पत्रकारों को घायल कर दिया गया। इस पूरे बवाल से ट्रंप सरकार की घुसपैठियों को लेकर नीति और किसी शहर को उनके लिए स्वर्ग बनाने की राजनीति माना जा सकता है। इन सब चक्करों में डिपोर्टेशन और भी कठिन हो जाता है। भले ही अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति सख्त सीमा प्रवर्तन और भूमि से अवैध अप्रवासियों को हटाने के लिए जोर दे रहे हैं, लेकिन कानूनी प्रणाली और कुछ विशिष्ट शहर इससे कड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो यहाँ भी वर्तमान में ऑपरेशन पुशबैक चल रहा है। इसके तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने का प्रयास हो रहा है। यह कार्रवाई अभी कुछ हजार लोगों तक ही सीमित है।भारतीय फैशन,असल में एक बार जब अवैध प्रवासी किसी देश में प्रवेश कर जाते हैं तो चाहे वह भारत हो, अमेरिका फिर या यूरोप के देश, तो उन्हें वापस भेजना कानूनी अड़चन, राजनीतिक विरोध और एक्टिविज्म का एक चक्रव्यूह बन जाता है। कायदा तो यह होना चाहिए कि किसी देश में अवैध रूप से रहने वालों को उठा कर सीधे वापस भेज दिया जाना चाहिए। हालाँकि, यह लंबी अदालती लड़ाइयों, एक्टिविज्म और कानूनी दाँवपेंच में बदल गया है। दिलचस्प बात यह है कि जहाँ भारत जैसे देशों में घुसपैठियों को बाहर निकालना मुश्किल का काम है, वहीं पाकिस्तान धड़ाधड़ अफगानिस्तान के लोगों को निर्वासित कर रहा है। रिपोर्ट बताती है कि फरवरी 2025 तक, पाकिस्तान ने 8 लाख़ से ज़्यादा अफ़गानों को बिना किसी बवाल के डिपोर्ट कर दिया है।

साथियों बात अगर हम भारत अमेरिका के 1951 के शरणार्थी सम्मेलन व1967 के प्रोटोकॉल में शामिल नहीं होने की करें तो, भारत शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि भारत कानूनी रूप से इन अंतर्राष्ट्रीय समझौतों द्वारा बाध्य नहीं है, जो शरणार्थियों के अधिकारों को परिभाषित करते हैं और देशों को उन्हें वापस अपने देशों में भेजने से रोकते हैं। हालांकि, भारत ने हमेशा पड़ोसी देशों से आने वाले शरणार्थियों को मानवीय आधार पर स्वीकार किया है और उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया है। भारत का मानना है कि शरणार्थी समस्या एक द्विपक्षीय मुद्दा है और स्थिति सामान्य होने पर शरणार्थियों को अपने देशों में वापस लौट जाना चाहिए।

(चिंतन- मनन)

विनम्रता का पाठ

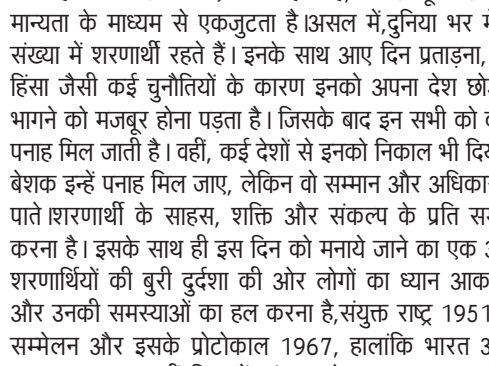

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?   दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है।

वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

विचार मंथन

अब मोदी के पीछे पड़ गए भाजपा के सुब्रमण्यम स्वामी?

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर तीखा हमला बोला है। स्वामी, अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। राफेल सौदे, विदेश नीति, और पार्टी के नेतृत्व पर उन्होने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने राफेल विमानों को युद्ध के लिए अक्षम बताते हुए सौदे में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। साथ ही, मोदी को कायर और अमेरिका के सामने झुकने वाला कहकर उनकी राष्ट्रवादी छवि पर निशाना साधा है। स्वामी ने अमित शाह और मोदी के करीबी सहयोगियों पर भी विवादास्पद गतिविधियों में शामिल होने का इल्ज़ाम लगाते हुये कहा, कि पार्टी ने आरोपों को नजरअंदाज किया है। स्वामी ने दावा किया, उनके पास ठोस स्रोत हैं। पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने राफेल सौदे का विरोध किया था। जिसे अनसुना कर दिया गया। स्वामी ने 2002 के गुजरात दंगों और जज लोया की मौत जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी आरोप लगाए हैं। इसके अलावा, स्वामी ने भारत की विदेश नीति को कमजोर बताते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन के खिलाफ भारत सरकार द्वारा सख्त रुख नहीं अपनाया गया। सुब्रमण्यम स्वामी जिस तरह से मोदी-शाह की जोड़ी पर बेबाकी से हमला किया है निश्चित रूप से भाजपा के लिए असहज स्थिति वे पैदा कर रहे हैं। स्वामी के आरोपों की विश्वसनीयता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। पिछले तीन दशक की राजनीति में सुब्रमण्यम स्वामी इसी तरह के आरोप लगाकर राजनीति में सनसनी फेलाते हैं। कांग्रेस और गांधी परिवार हमेशा उनके निशाने पर रहते हैं। सुब्रमण्यम स्वामी को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया था उसके बाद से ही वह प्रधानमंत्री मोदी के आलोचक हो गए हैं, पहले भी उन्होंने इसी तरह के आरोप लगाए हैं। हाल ही में जिस तरह से उन्होंने आरोपों की झड़ी लगाई है, उसके पीछे कोई ना कोई उनका मकसद होगा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव काफी दिनों से चल रहा है। भाजपा के अंदर ही दो समूह बन चुके हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा संगठन के बीच दूरियां बढी हैं। स्वामी यह प्रचारित करते रहे कि भाजपा संगठन में मोदी और शाह की जोड़ी का वर्चस्व होने के कारण पार्टी का संगठन कमजोर हुआ है। स्वामी की आलोचना व्यक्तिगत असंतोष से प्रेरित नजर आती है। उन्हें पार्टी में अपेक्षित भूमिका नहीं मिली है। स्वामी दावा करते हैं, वह सच बोल रहे हैं। पार्टी में असहमति को अनुशासन के नाम पर दबाया जा रहा है। मोदी सरकार के लिए जरूरी है, स्वामी के इन आरोपों का तथ्यपरक खंडन किया जाए। स्वामी के दावे और आरोपों पर सरकार को पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए। इस मामले में चुप्पी धारण करने से मोदी और सरकार के लिए आगे चलकर मुश्किलें बढ़ेंगी। भाजपा संगठन के अंदर भी अनुशासनहीनता बढ़ सकती है। स्वामी के आरोपों से संगठन के कार्यकर्ताओं और नेताओं का मनोबल गिरता है। सुब्रमण्यम स्वामी के आरोपों से कांग्रेस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है। नेशनल हेराल्ड और राहुल की नागरिकता वाला मामला अभी भी कांग्रेस के गले में पड़ा हुआ है। भाजपा ने यदि सुब्रमण्यम स्वामी को नियंत्रित नहीं किया तो सरकार और भाजपा संगठन को इसका नुकसान भी हो सकता है। सुब्रमण्यम स्वामी सिर्फ सत्ता पाने प्रचार और राजनीतिक अस्तित्व बनाए रखने के लिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। यदि ऐसा है तो सरकार और भाजपा संगठन को उनके ऊपर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। वह भाजपा के सांसद रह चुके हैं। अभी उनके पास कोई पद नहीं है लेकिन भारत और दुनिया के देशों में उनके द्वारा जो कहा जाता है उसे गंभीरता से लिया जाता है। अत- इस मामले में भाजपा संगठन और केंद्र सरकार को सतर्क रहने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

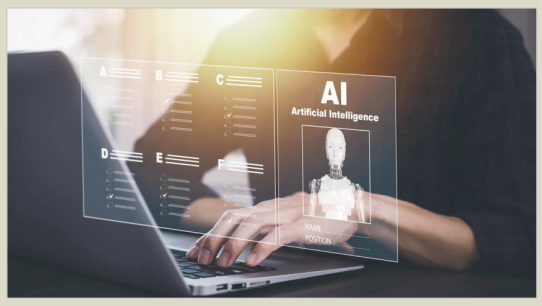

एआई अभी एक इंटर्न, जल्द ही सॉफ्टवेयर इंजीनियर बन जाएगा

ओपनएआई के सीईओ का बड़ा बयान

मुंबई। इन दिनों कई बड़ी टेक दिग्गज कंपनियां एआई को और ज्यादा एडवांस बनाने में लगी हैं। इसी बीच ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मौजूदा क्षमता को लेकर बड़ा बयान दिया है। दरअसल उनका कहना है कि एआई अभी एक इंटर्न है, लेकिन बहुत तेजी से यह टेक्नोलॉजी अनुभवी सॉफ्टवेयर इंजीनियर जैसी योग्यता हासिल कर लेगा। यानी आने वाले दिनों में एआई नेक्स्ट लेवल पर पहुंच सकता है। ऑल्टमैन ने बताया कि आज एआई ऐसा इंटर्न है जो कुछ घंटों तक काम कर सकता है, लेकिन जल्द ही यह ऐसा अनुभवी इंजीनियर बन जाएगा जो कई दिनों तक लगातार मुश्किल काम भी आसानी से कर लेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगले साल तक हमें इसतरह के एआई एजेंट भी देखने को मिल जाएंगे जो मुश्किल काम आसानी से कर दें और नए ज्ञान की खोज तक कर सकते हैं। ऑल्टमैन का कहना है कि फ्यूचर में एआई मुश्किल कोडिंग को आसानी से हल करने, सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर डिजाइन करने और स्ट्रेटेजिक डेवलपमेंट के फैसलों में अहम भूमिका निभा सकता है। इतना ही नहीं ऑल्टमैन ने यहां तक कह दिया है कि आने वाले वक्त में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रेगुलर कोडिंग से आगे बढ़कर अपने आप को और बेहतर करना होगा। सीईओ ने यह बात तब कही है जब एआई की वजह से लोगों की नौकरियां जा रही हैं और हर तरफ इस पर बहस छिड़ गई है।

मोटोरोला और सैमसंग के स्मार्टफोन्स में मिल रहे दमदार कैमरे

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी मोटोरोला और सैमसंग के ऐसे कई स्मार्टफोन्स हैं जो 50 मेगापिक्सल के दमदार फ्रंट कैमरे के साथ आते हैं और साथ ही शानदार रियर कैमरा सेटअप, पावरफुल बैटरी और हाई-रिफ्रेश रेट डिस्प्ले भी ऑफर करते हैं। मोटोरोला का एक फोन 50एमपी फ्रंट और रियर में 50एमपी +50एमपी अल्ट्रावाइड+मैक्रो कैमरा के साथ आता है। इसमें डायमेंसिटी 8350 प्रोसेसर और 6000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 90वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यह फोन आईपी68+आईपी69 रेटिंग से लैस है। एक अन्य मोटोरोला फ्लिप फोन 6.96 इंच के मेन और 4 इंच के कवर डिस्प्ले के साथ आता है। इसमें स्नैपड्रेगन 8 इलाइट प्रोसेसर, 4700एमएएच बैटरी, 68 वॉट फास्ट और 30वॉट वायरलेस चार्जिंग का सपोर्ट है। एक और मोटोरोला डिवाइस 50एमपी सेल्फी कैमरा, 1.5के रेजॉलूशन, 144एचझेड रिफ्रेश रेट और 125वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ आता है। सैमसंग भी 50एमपी सेल्फी कैमरा वाले किफायती और प्रीमियम दोनों सेगमेंट्स में फोन ऑफर कर रहा है। एक मॉडल में 50 एमपी फ्रंट, 50एमपी+8एमपी+2एमपी रियर कैमरा, 6.7 इंच सुपर अमोलेड+ डिस्प्ले और स्नैपड्रेगन 7 जेन 1 प्रोसेसर है। इसकी 5000एमएएच बैटरी 45वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। एक अन्य सैमसंग फोन में 50एमपी सेल्फी, 50एमपी मेन कैमरा, 5एमपी अल्ट्रावाइड और 2एमपी डेप्थ लेंस के साथ शानदार कैमरा अनुभव मिलता है। 6.7 इंच डिस्प्ले और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ यह फोन भी 45वॉट चार्जिंग सपोर्ट करता है। मालूम हो कि वीडियो शूटिंग और सोशल मीडिया के दौर में लोग अब ऐसे स्मार्टफोन को प्राथमिकता दे रहे हैं जिनमें कैमरा क्वॉलिटी जबर्दस्त हो, खासकर सेल्फी कैमरा। ऐसे ग्राहकों के लिए ये स्मार्टफोन उपयोगी साबित हो सकते हैं।

शेयर बाजार निवेशकों को सतर्कता बरतने की जरुरत

नई दिल्ली।

बढ़ती वैल्यूएशन, कंपनियों के कमजोर मुनाफे और घरेलू मांग की सुस्ती के चलते शेयर बाजार के निवेशकों के लिए यह समय सतर्कता बरतने का है। भारत के शेयर बाजार में कोविड-19 के बाद शुरू हुई तेजी का दौर अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

विशेषज्ञों का मानना है कि हर बुल या बेयर मार्केट लगभग पांच वर्षों में चरम पर पहुंचता है, और मार्च 2025 में यह बुल रन पांच साल पूरा कर लेगा। ऐसे में अब बाजार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले प्रमुख कारक लगभग समाप्त हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कोविड के बाद कंपनियों के मुनाफे की गति उनकी आमदनी से कहीं अधिक तेज थी, लेकिन वित्त वर्ष 2025 तक आते-आते यह दोनों लगभग समान स्तर पर पहुंच गए हैं। मार्च 2025 की तिमाही में कंपनियों की मुनाफे की ग्रोथ 10 प्रतिशत से नीचे रही और पिछले आठ तिमाहियों से यही धीमा रुझान बना हुआ है। अर्थव्यवस्था में नकदी तो है, लेकिन वह ÷मनी मल्टीप्लायर÷ नहीं बन पा रही है। यानी मजबूत निर्यात, सरकारी खर्च में विस्तार और वेतन वृद्धि जैसे तत्वों की अनुपस्थिति के कारण पैसा बाजार में तेजी से घूम नहीं रहा है। मांग की ग्रोथ भी कई बाधाओं से जूझ रही है। भारत का निर्यात वैश्विक व्यापार युद्ध, भूराजनीतिक तनाव और चीन की डंपिंग नीतियों की वजह से दबाव में है।

कंपनियां अपने पूंजीगत खर्च और वेतन वृद्धि में कटौती कर रही हैं, जिससे फ्री कैश फ्लो तो बढ़ा है, लेकिन मांग पर प्रतिकूल असर पड़ा है। सरकार भी उधारी लेने से बच रही है

और आमदनी में कोई बड़ा सुधार नहीं दिख रहा है। इन सभी कारणों से डोमेस्टिक डिमांड के लिए कोई ठोस इंजन नजर नहीं आ रहा। भारत का बाजार अब भी ऊंची वैल्यूएशन पर है। निफ्टी500 का प्राइस-टू-बुक रेशियो 3.9× है और मार्केट कैप बनाम जीडीपी रेशियो 132 प्रतिशत के आसपास है, जो कि इसके दीर्घकालिक औसत से काफी अधिक है। ऐसे में आने वाले वर्षों में रिटर्न सीमित रह सकता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.74 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 45 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.49 पर बंद हुआ था। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया गत दिवस शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।

डील साइन करने के बाद रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों भारी खरीदारी

नई दिल्ली।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी हो रही है। अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया और यह 386.05 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी डिफेंस संबंधित डील है। दरअसल, फ्रांस की दिग्गज डिफेंस कंपनी डसॉल्ट एविएशन और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की सहायक कंपनी रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर के बीच भारत में फाल्कन 2000 बिजनेस जेट बनाने के लिए एक डील साइन की गई है। बता दें कि डसॉल्ट एविएशन ने ही राफेल फाइटर जेट को भी बनाती है। राफेल का इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर में किया गया था। 18 जून को कारोबार के दौरान एक एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए अनिल अंबानी के स्वामित्व वाली फर्म ने घोषणा की कि इसकी सहायक कंपनी रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेड ने ग्लोबल मार्केट्स के लिए भारत में फाल्कन 2000 बिजनेस एग्जीक्यूटिव जेट बनाने के लिए डसॉल्ट एविएशन के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। 18 जून को अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने कहा, डसॉल्ट एविएशन और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की सहायक कंपनी, रिलायंस एयरोस्ट्रक्चर लिमिटेड (आरएएल) ने आज पेरिस एयर शो में वैश्विक बाजारों के लिए भारत में फाल्कन 2000 बिजनेस एग्जीक्यूटिव जेट बनाने के लिए एक ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। बता दें कि डसॉल्ट एविएशन पहली बार भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए फ्रांस के बाहर फाल्कन 2000 बिजनेस जेट का निर्माण करेगा। संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के बाद भारत अगली पीढ़ी के बिजनेस जेट बनाने वाले देशों के कुलीन वर्ग में शामिल हो गया।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। इस प्रकार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बाजार में गिरावट रही। आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही ईरान और इजरायल के बची संघर्ष बढ़ने से भी निवेशक बाजार से दूर रहे। इस कारण बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 82.79 अंक की गिरावट के साथ ही 81,361.87 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 18.80 अंकों की गिरावट के साथ ही 24,793.25 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि बाकी की सभी 22 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 17 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 33 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.57 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि अडाणी पोर्ट्स के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज टाइटन के शेयरों में 0.74 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.45 फीसदी, भारती एयरटेल 0.43 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.32 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.31 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.13 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं बजाज फाइनेंस के शेयर 2.19 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.95 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.73फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.28 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 1.13 फीसदी, एनटीपीसी 1.07 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.05 फीसदी, टाटा स्टील 0.99 फीसदी, इंफोसिस 0.95 फीसदी, टीसीएस 0.89 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.58 फीसदी, पावरग्रिड 0.50 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.41 फीसदी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स आज सुबह 98 अंक टूटकर 81,347 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 24 अंकों की गिरावट के साथ ही 24,788 पर कारोबार कामकाज करता दिखा।

बाजार में इस गिरावट का कारण अमेरिका के फेडरल रिजर्व का ब्याज दरों को यथावत बनाए रखना, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव, निफ्टी एफएंडओ की एक्सपायरी आदि रही। सुबह करीब 7:30 बजे गिफ्ट निफ्टी वायदा 60 अंकों की गिरावट के साथ 24,766 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था, जो बाजार में नकारात्मक शुरुआत का संकेत दे रहा है। एशिया-पैसिफिक बाजारों में भी गिरावट दर्ज की गयी है। निवेशकों की नजर एक ओर जहां अमेरिका की मौद्रिक नीति पर है, वहीं दूसरी ओर इजरायल-ईरान संघर्ष को लेकर बाजार टूटा है। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.63 फीसदी गिरा, टोपिक्स इंडेक्स 0.44 फीसदी गिरा, कोरिया का कोस्पी शुरू में बढ़त के बाद 0.18 फीसदी नीचे आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 में भी गिरावट रही।

इस बीच, अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को चौथी बार 4.25फीसदी से 4.50 फीसदी के स्तर पर बनाए रखा। फेड अधिकारियों का मानना है कि भले ही आर्थिक अनिश्चितता थोड़ी कम हुई हो पर 2025 में दो बार दरों में कटौती की संभावना बनी हुई है। अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को मिश्रित रुख रुख के साथ बंद हुए।

विमान हादसे के पीड़ितों के दावों का निपटान करना बीमा कंपनियों के लिए चुनौती

अहमदाबाद।

अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे के पीड़ितों के दावों का निपटान करना बीमा कंपनियों के लिए चुनौती है। वजह ये है कि कई मामलों में पॉलिसीधारक और उसके नामित व्यक्ति (नॉमिनी), दोनों ही इस त्रासदी में मारे गए हैं। अहमदाबाद में 12 जून को हुई भयावह दुर्घटना में पूरे परिवार के खत्म हो जाने या पति-पत्नी में से किसी एक की मृत्यु हो जाने के मामले सामने आए हैं। इस विमान में सवार 241 लोगों और जमीन पर मौजूद 29 लोगों की जान चली गई थी।

हालांकि हादसे के तुरंत बाद, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों से कहा कि वे विदेशी चिकित्सा बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना और जीवन बीमा पॉलिसियों के जारी करने संबंधी अपने आंकड़ों से मृतक के विवरण का सत्यापन करें। परामर्श में यह भी कहा गया कि यात्रियों की सूची में शामिल पुष्टिकृत मृत व्यक्तियों तथा दुर्घटना से प्रभावित इमारतों में रहने वाले व्यक्तियों के मामले में प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं के कारण किसी भी दावे को अस्वीकार या विलंबित नहीं किया जाएगा। एलआईसी के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी को अब तक 10 दावे प्राप्त हुए हैं।

एक मामला ऐसा भी है, जिसमें बीमित व्यक्ति ने अपने जीवनसाथी को नामित किया था और दुर्घटना में दोनों की मौत हो गई। इफ्को टोकियो इंश्योरेंस के प्रबंधक ने भी एक ऐसे मामले का जिक्र किया जिसमें एक कंपनी के निदेशक और उनकी नामित पत्नी दोनों की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। टाटा एआईजी के अधिकारी ने कहा कि उन्हें अब तक सात क्लेम प्राप्त हुए हैं, जिनमें से एक ऐसा मामला है जिसमें मृतक ने अपने जीवनसाथी को नामित किया था और उसकी भी विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। बीमा कंपनी के अधिकारी ने कहा, अगर बीमाधारक और नामांकित व्यक्ति, दोनों की मृत्यु हो गई है, तो हम श्रेणी-1 के वारिसों की तलाश करते हैं, जो आमतौर पर बच्चों जैसे रक्त संबंधी होते हैं। यदि कई बच्चे हैं, तो हम वारिसों से एक घोषणापत्र लेते हैं कि दावे का निपटान कैसे किया जाना है और कंपनी को क्षतिपूर्ति बॉन्ड जमा करना होता है। उनकी कंपनी की कानूनी टीम इस बात पर विचार कर रही है कि क्या उन मामलों में उत्तराधिकारियों की संयुक्त घोषणा मांगी जा सकती है, जहां बीमाधारक और नामित व्यक्ति, दोनों की मृत्यु हो गई हो।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में गुरुवार को सुबह सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। इन दोनो के वायदा भाव आज नीचे आये हैं। युबह घरेलू बाजार में सोने की कीमत 99,300 रुपये, जबकि चांदी 1,08,400 रुपये थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में कमी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 335 रुपये टूटकर 99,202 रुपये के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 99,537 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 247 रुपये नीचे आकर 99,290 रुपये के भाव पर था। ये 99,304 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 99,152 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 405 रुपये नीचे आकर 1,08,161 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,08,566 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 179 रुपये टूटकर 1,08,387 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव में कमी आई है। कामेक्स पर सोना 3,387.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,408.10 डॉलर प्रति औंस था। वहीं एक समय यह 15.50 डॉलर की कमी के साथ ही 3,392.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कामकाज कर रहा था। सोने के वायदा भाव इस साल 3,509.90 डॉलर के शीर्ष स्तर पर पहुंचे हैं जबकि कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.75 डॉलर के भाव पर खुले। इसका बंद भाव 36.91 डॉलर था।

अब देश में सभी मोबाइल नंबरों के लिए केवॉयसी अनिवार्य, सरकार ने लिया फैसला

नई दिल्ली।

सरकार ने मोबाइल सेवाओं में पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला किया है। अब देश में सभी मोबाइल नंबरों के लिए केवॉयसी यानी नो योर कस्टमर प्रक्रिया को पूरी तरह अनिवार्य कर दिया है। सरकार के इस फैसला विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा जो अब तक बिना पूरी पहचान के प्रीपेड सिम कार्ड ले लेते थे। पहले तक प्रीपेड ग्राहकों को कुछ हद तक केवॉयसी में छूट दी गई थी, लेकिन अब यह छूट पूरी तरह से समाप्त कर दी गई है। अब चाहे मोबाइल नंबर प्रीपेड हो या पोस्टपेड, ग्राहक को पहचान और पते का प्रमाण भी देना ही होगा। यह प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से जैसे टेलीकॉम कंपनियों की वेबसाइट या ऐप के जरिए या फिर ऑफलाइन टेलीकॉम स्टोर्स पर जाकर पूरी की जा सकती है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उठाना जरुरी था। मोबाइल नंबरों का दुरुपयोग टेरर फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग और साइबर फ्रॉड जैसी गतिविधियों में किया जाता है।

बिना केवॉयसी वाले नंबर इन अपराधों में सहायक हो सकते हैं, इसलिए इस फैसले से इन पर काफी हद तक नियंत्रण लगेगा। इसके अलावा हर मोबाइल नंबर एक वैध और प्रमाणित व्यक्ति से जुड़ा होगा, जिससे सरकार को आपातकालीन सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी में भी मदद मिलेगी। इस नए नियम का असर प्रीपेड मोबाइल यूजर्स पर पड़ेगा। उन्हें अब सिम खरीदते समय पूरी केवॉयसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। यह प्रक्रिया थोड़ी समय लेने वाली और असुविधाजनक लग सकती है, लेकिन सरकार का मानना है कि इससे लंबे समय में आम नागरिकों को ही फायदा होगा।

वहीं पोस्टपेड यूजर्स पर इसका प्रभाव सीमित रहेगा क्योंकि वे पहले से ही केवॉयसी प्रक्रिया से गुजर होंगे। हालांकि उन्हें भी समय-समय पर अपनी जानकारी अपडेट करनी होगी। कुल मिलाकर सरकार का यह कदम मोबाइल यूजर्स की सुरक्षा बढ़ाने, डिजिटल ट्रैकिंग को मजबूत करने और अवैध कार्यों को रोकने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

अहमदाबाद हादसे के बाद एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की कटौती

-कंपनी ने कहा- आगे भी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी

नई दिल्ली।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद एयर इंडिया ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 15 फीसदी कटौती का फैसला किया है। ये फैसला अभी से लागू होगा और कम से कम 15 जुलाई तक जारी रहेगा। कंपनी ने कहा कि ये कदम यात्रियों की सुरक्षा और उड़ानों की स्थिरता को ध्यान में रखते हुए लिया गया। पिछले छह दिनों में एयर इंडिया की 83 फ्लाइट्स रद्द हो चुकी है। एयर इंडिया के पास 33 बोइंग 787-8 और 787-9 विमान हैं। इनमें से 26 विमानों की सुरक्षा जांच पूरी हो चुकी है और उन्हें सेवा के लिए मंजूरी मिल गई है। बाकी विमानों की जांच अगले कुछ दिनों में पूरी कर ली जाएगी। एयर इंडिया ने कहा है कि वह अपने बोइंग 777 विमानों की भी अतिरिक्त सुरक्षा जांच करेगी ताकि कोई जोखिम न रहे। कंपनी ने बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, यूरोप और पूर्वी एशिया के कई देशों में रात के समय उड़ानों पर पाबंदी और सुरक्षा जांचों के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बाधाएं आई हैं। इसके चलते इंजीनियरिंग स्टाफ और पायलट भी सावधानी बरत रहे हैं। 12 जून को हुआ अहमदाबाद विमान हादसा भारत के इतिहास की सबसे बड़ी हवाई दुर्घटनाओं में से एक बन गया है। फ्लाइट एआई171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी लेकिन टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद क्रैश हो गई। हादसे में 241 यात्रियों और क्रू की मौत हो गई, साथ ही जमीन पर मौजूद डॉक्टर मेस में 30 से ज्यादा लोग भी इसकी चपेट में आ गए। एयर इंडिया ने कहा कि हम अब भी एआई171 फ्लाइट में मारे गए 241 यात्रियों और क्रू मेंबर्स के दुख में डूबे हुए हैं। हमारी संवेदनाएं उन सभी परिवारों और समुदायों के साथ हैं जो इस दर्दनाक हादसे से प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने भरोसा दिलाया कि आगे भी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर ने की रिकॉर्ड बिक्री, ओला-बजाज को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली।

टीवीएस आईक्यूब भारतीय बाजार में बिक्री के नए इतिहास रच रहा है। इसने घरेलू बाजार में 6 लाख थोक बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। ओला और बजाज को पीछे छोड़ा। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2025 के आखिर में केवल 1,345 यूनिट की कमी थी, जो मई 2025 के पहले दो दिनों में हासिल की गई, जिसमें 27,642 यूनिट की बिक्री हुई और कुल मिलाकर 6,26,297 यूनिट हो गईं। ये कंपनी का पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर है। ये मई में देश का नंबर-1 ई-स्कूटर भी है।

आईक्यूब की पहली 1,00,000 यूनिट की बिक्री में तीन साल से थोड़ा ज्यादा समय लगा। 1,00,000 से 2,00,000 यूनिट तक का सफर सिर्फ 10 महीने में पूरा कर लिया, जबकि, 3,00,000 यूनिट थोक बिक्री मई 2024 की शुरुआत में पार कर ली, जो 53 महीने या चार साल और चार महीने है। पिछले 3,00,000 यूनिट्स को सिर्फ 12 महीनों में पूरे भारत में टीवीएस डीलरों को भेजा गया है, जो ई-स्कूटर की बढ़ती मांग को दर्शाता है।

बता दें आईक्यूब को जनवरी 2020 में लॉन्च किया गया था, जो फुल एलईडी लाइट्स, कनेक्टेड टेक्नोलॉजी से लैस है और इसे एक बड़ी सीट और बढ़िया स्टोरेज स्पेस के साथ एक फैमिली ई-स्कूटर के रूप में पेश किया गया है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर को 6,00,000 बिक्री करने में 65 महीने लगे हैं। जैसा कि डेटा दिखता है कि पिछले तीन फाइनेंशियल ईयर में मांग बढ़ी है, जो फाइनेंशियल ईयर 2025 में तेजी से बढ़ेगी।

अमेरिकी फेड ने बेंचमार्क ब्याज दर में नहीं किया कोई बदलाव

-बढ़ती महंगाई की वजह ट्रंप के लगाए गए टैरिफ को बताया

नई दिल्ली।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपनी बेंचमार्क ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया है। अब यह दर 4.25 फीसदी से 4.5फीसदी के बीच ही बनी रहेगी। यह चौथी बार जब फेड ने दरों को स्थिर रखा है। कमेटी के सदस्यों ने इस फैसले का समर्थन किया। बैठक के बाद फेड ने कहा कि महंगाई अभी भी कुछ हद तक ज्यादा है। साथ ही यह भी बताया गया कि हाल के आंकड़े बताते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती के साथ विकास जारी है। फेड ने कहा कि बेरोजगारी दर अब भी कम है और श्रम बाजार की स्थिति मजबूत बनी हुई है, जिससे यह पता चलता है कि अर्थव्यवस्था को लेकर फेड का भरोसा कायम है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन ने कहा है कि अमेरिका में गर्मी के मौसम में वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। उन्होंने इसकी वजह राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को बताया। चेयरमैन ने कहा कि हम देख रहे हैं कि वस्तुओं की महंगाई थोड़ी बढ़ रही है। हमें उम्मीद है कि गर्मियों में यह और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि टैरिफ का असर पूरी सप्लाई चेन पर पड़ता है, क्योंकि बहुत सी वस्तुएं महीनों पहले आयात की गई थीं। उन्होंने यह भी बताया कि अब कुछ श्रेणियों जैसे पर्सनल कंप्यूटर और ऑडियो-विजुअल उपकरणों में कीमतें बढ़ रही हैं, और यह टैरिफ बढ़ने की वजह से है। उनका कहना है कि आने वाले महीनों में इस तरह की कीमतों में और इजाफा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्याज दरों में कटौती को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दिन की शुरुआत में मांग की कि फेडरल रिजर्व को 1 से 2.5 फीसदी अंक तक की बड़ी कटौती करनी चाहिए। बता दें फेड की दरों से जुड़ा फैसला सात राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त गवर्नरों और पांच क्षेत्रीय बैंकों के अध्यक्षों के एक रोटेशन समूह के बीच गहन विचार-विमर्श के बाद लिया जाता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन की कप्तानी में बेहतर शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

लीड्स (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरेगी। इस मुकाबले से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीस) 2025-27 के चक्र की भी शुरुआत होगी। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरेगी ऐसे में टीम में शामिल युवाओं के पास अपने को साबित करने का अच्छा अवसर रहेगा। ऐसे में ये सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए भी एक नए युग की तरह होगी। इस मैच में शुभमन के अलावा शस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। सात साल बाद वापसी कर रहे करुण नायर के अभ्यास सत्र में चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के बास रहेगी। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज उनका साथ देंगे। स्पिन की कमान कुलदीप यादव के पास रहेगी।

वहीं पिच की बात करें तो हेडिंग्ले की पिच अपने उछाल और तेजी के लिए जानी जाती है। वहीं पिच क्यूरेटर रॉबिन्सन का कहना है कि वह चाहते हैं मैच पूरे पांच दिन तक चले। उनका उद्देश्य यह है कि पिछली बार की तरह तीन दिन में खेल खत्म न हो इसलिए ऐसे पिच बनायी गयी है जिसपर शॉट खेले जा सकें। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी वह करीब 300 रन बना सकेगी। मौसम विभाग ने भी गर्मी की संभावना जताई है, जिससे बल्लेबाजों को सहायता मिल सकती है। हालांकि पिच फिलहाल हरी-भरी दिख रही है, जिससे शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है।

आंकडों पर नजर डालें तो यहां अब तक 81 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से 37 मैच मेजबान टीम ने जीते हैं। विदेशी टीमों को यहां 25 बार जीत मिली है जबकि 18 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। यहां दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम को ज़्यादा सफलता मिली है। वहीं पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जहां 29 बार जीत हासिल की, वहीं दूसरी पारी में खेलने वाली टीम ने 34 बार जीत दर्ज की है। इस मैदान पर अब तक का सबसे अधिम स्कोर 653/4 और सबसे कम स्कोर 61 रन रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां अब तक कुल 136 टेस्ट मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को केवल 35 मैचों में जीत मिली है, जबकि इंग्लैंड ने 51 मुकाबले जीते हैं व 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। यहां पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड काफी खराब रहा है और उसे 67 मैचों में से केवल 9 टेस्ट में ही जीत मिली है।

इस बार भारतीय टीम टीम युवा निडर होकर उतरेगी पर इंग्लैंड के हालातों में खेलना आसान नहीं होता है। अब देखना है कि टीम किस प्रकार से खेलती है।

वहीं दूसरी ओर बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली मेजबन टीम को हालातों का लाभ मिलेगा उसके पास जो रुट हैरी ब्रुक और बने डकेट जैसे बल्लेबाज हैं हालांकि टीम के अनुभवी गेंदबाज चोटिल हैं जिससे उसकी गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। उसकी क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर पर टिकी रहेगी

इंग्लैंड ने जहां अपनी अंतिम ग्यारह टीम घोषित कर दी है। वहीं भारतीय टीम मैच से पहले ही अंतिम ग्यारह की घोषिता करेगी।

इंग्लैंड की एकादश : जैक क्रॉउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारतीय : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

हरभजन, रैना सहित चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में भाग लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर 5 से 16 अगस्त तक होने वाले सुपर60 यूएसए लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलते नजर आयेंगे। इस टूर्नामेंट में हरभजन और रैना के अलावा शिखर धवन व रॉबिन उथप्पा भी खेलेंगे। इन सभी पूर्व क्रिकेटरों ने कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने का अवसर मिलने से वह उत्साहित हैं। हरभजन ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह एक अनूठा और विशिष्ट प्रारूप है जो खेल में नयापन लाने का वादा करता है। अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाएगा। लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

वहीं रैना ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं, जो विश्व स्तरीय प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। इस तरह का टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट के विकास में अहम भूमिका निभाएगा और मुझे इसका हिस्सा होने पर गर्व है।

धवन ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में शामिल होना बढ़ते क्रिकेट समुदाय में प्रशंसकों से जुड़ने का एक अच्छा अवसर है। अंतरराष्ट्रीय सितारों और एक नए आकर्षक प्रारूप के साथ इस आयोजन से अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा में लाने की राह बनेगी।

उथप्पा ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धा और नवाचार दोनों के मामले में एक बेहतरीन मंच है। इसका अनूठा प्रारूप खेल में एक नया आकर्षण लाता है और नए प्रशंसकों को आकर्षित करने की बहुत संभावना है।

इंग्लैंड बनाम भारत : लीड्स में पहले टेस्ट से पूर्व करुण नायर चोटिल, 8 वर्षों बाद टेस्ट में कर रहे वापसी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरूआत से एक दिन पहले भारतीय टीम को झटका लगा है। लगभग 8 वर्षों के बाद टेस्ट क्रिकेट में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी को तैयार करुण नायर अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की श्रृंखला 20 जून से शुरू होगी और यह सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (ड्ब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की शुरुआत भी की है।

नायर 2017 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेलने की उम्मीद में थे, लेकिन नेट सत्र के दौरान तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंद से पसलियों पर चोट लग गई। इस चोट के कारण 33 वर्षीय खिलाड़ी असहज महसूस कर रहे थे, हालांकि, उन्होंने जल्द ही बल्लेबाजी फिर से शुरू कर दी। अपने बल्लेबाजी सत्र के बाद उन्होंने सहयोगी स्टाफ और टीम के सदस्यों को चोट दिखाई थी।

दाएं हाथ के बल्लेबाज को एक समय भविष्य का सितारा माना जा रहा था क्योंकि वह टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए थे, लेकिन शानदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। 2024-25 के सत्र में एक ठोस घरेलू सत्र, जिसमें भारत ए बनाम इंग्लैंड लायंस श्रृंखला में हाल ही में दोहरा शतक और विदर्भ की रणजी ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका शामिल है, ने उन्हें राष्ट्रीय टीम में वापस बुला लिया।

वेस्टइंडीज दौरा लाबुशेन के लिए 'आखिरी मौका' है : पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी को लगता है कि वेस्टइंडीज दौरा संघर्षरत और आलोचनाओं से घिरे बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के लिए आखिरी मौका है तथा एक और खराब प्रदर्शन से एशेज में खेलने की उनकी संभावनाएं खतरे में पड़ जाएंगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में सलामी बल्लेबाज के रूप में विफल रहे मार्नस ने अपनी जगह पर सवालिया निशान लगा दिए हैं क्योंकि उन्होंने 2023-25 ??के अपने चक्र को 20 पारियों में 974 रन के साथ समाप्त किया जिसमें 38 पारियों में एक शतक और आठ अर्द्धशतक के साथ 27.82 का खराब औसत रहा।

लाबुशेन का आखिरी टेस्ट शतक जुलाई 2023 में एशेज के दौरान मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ आया था और तब से, उन्होंने 16 टेस्ट में बल्ले से 24.74 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 30 पारियों में 668 रन और 7 अर्द्धशतक शामिल हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने कहा, %यह एक मुश्किल सवाल है। लेकिन पिछले दो वर्षों में उनका औसत 20 के मध्य में रहा है, और उन्होंने केवल एक शतक बनाया है। अगर वह कैरिबियन में खेलते हैं, तो मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से आखिरी मौका है, इसमें कोई संदेह नहीं है। मुझे लगता है कि अगर वह मजबूत प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि उन्हें एशेज में नहीं खेलने का असली खतरा है।%

गिलेस्पी ने कहा कि उन्हें लगता है कि लाबुशेन या 38 वर्षीय उस्मान ख्वाजा में से कोई एक, जो ड्ब्ल्यूटीसी फाइनल की दोनों पारियों में दोहरे अंक को छूने में विफल रहे। स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के चौथे और पांचवें नंबर पर रहने के कारण, तीसरा नंबर खाली रह गया है। कैमरून ग्रीन वापसी उम्मीद कर रहे हैं, गिलेस्पी ने सोचा कि क्या श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू पर शतक बनाने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस वह स्थान लेंगे, भले ही उन्होंने मध्य-क्रम के लिए वरीयता दिखाई हो।

गिलेस्पी ने कहा, 'मुझे पता है कि स्टीव स्मिथ की सर्वश्रेष्ठ स्थिति चौथे नंबर पर है और मुझे लगता है कि ट्रैविस हेड की सर्वश्रेष्ठ स्थिति पांचवें नंबर पर है। मुझे लगता है कि वे लोग काफी हद तक तैयार हैं। इसलिए चयनकर्ताओं को यह तय करना होगा क्या इंग्लिस तीसरे नंबर पर काम करने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं, या मार्नस तीसरे नंबर पर काम करने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं? अगर वे हैं, तो उनमें से किसी एक को खिलाएं।' उन्होंने कहा, 'अगर नहीं, तो घरेलू क्रिकेट में कुछ प्रदर्शन करने वालों को या तो ओपनर या नंबर तीन पर पुरस्कृत करें, जिन्होंने शेफील्ड शील्ड क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, ताकि उनमें से किसी एक खिलाड़ी को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए बढ़ावा दिया जा सके।'

अब तक चार भारतीय कप्तानों ने ही इंग्लैंड में लगाये हैं शतक , शुभमन के पास पांचवां खिलाड़ी बनने का अवसर

लीड्स । शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी । शुभमन इससे पहले के इंग्लैंड दौरे में रन नहीं बना पाये थे । ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना होगा । भारतीय टीम को इस सीरीज में पांच मैच खेलने हैं जिसमें शुभमन का लक्ष्य शतक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम करना भी रहेगा । इंग्लैंड में अब तक चार भारतीय कप्तान ही शतक लगा पाये हैं और शुभमन का लक्ष्य शतक लगाने वाला पांचवां कप्तान बनना रहेगा । अब तक केवल चार भारतीय कप्तान ही इंग्लैंड में शतक जड़ने में सफल हो पाये हैं । भारतीय टीम की ओर से इंग्लैंड में शतक लगाने वाले पहले कप्तान मंसूर अली खान पटौदी हैं । उन्होंने 1967 में लीड्स टेस्ट में 148 रनों की शानदार पारी खेली थी । यह किसी भारतीय कप्तान का इंग्लैंड में पहला शतक था । इसके बाद लंबे समय तक कोई भी कप्तान इंग्लैंड में शतक नहीं लगा पाया । इसके बाद मोम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 के इंग्लैंड दौरे पर दो शतक लगाये । अजहर ने लॉर्ड्स में 121 और मैनचेस्टर में 179 रनों की पारी खेली । इसके बाद 2002 में सौरव गांगुली ने लीड्स में 128 रन बनाये । वहीं इंग्लैंड में शतक लगाने वाले चौथ भारतीय कप्तान विराट कोहली रहे । उन्होंने साल 2018 के इंग्लैंड दौरे पर दो शतक लगाये । कोहली ने बर्मिंघम में 149 और नॉटिंघम में 103 रनों की पारी खेली थी । ऐसे में अब शुभमन के पास भी कप्तान के तौर पर शतक लगाने वाला पांचवां कप्तान बनने का अवसर है ।

शुभमन की टीम प्रतिभाशाली, विशेष सफलता हासिल करेगी : कपिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि शुभनन गिल के नेतृत्व में इंग्लैंड गयी टीम को अुनभवहीन कहना गलत है । कपिल ने कहा कि शुभमन और उनकी टीम काफी प्रतिभाशाली है और वे इस दौरे में कुछ विशेष जरुर करेंगे । कपिल ने शुभमन को कप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया है । उन्होंने माना कि शुभमन ने इससे पहले इंग्लैंड में केवल 3 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंन 14.66 की औसत से केवल 88 रन बनाए हैं । कपिल ने शुभमन को अच्छा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया और कहा कि अब वह भारतीय टीम का कप्तान है । साथ ही भरोसा जताया है कि वह ट्रॉफी लेकर लौटेगा । उन्होंने कहा कि सभी को शुभकामनाएं । मुझे उम्मीद है कि वे विजेता बनकर घर लौटेंगे और अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलेंगे ।' 1983 की विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव मौजूदा भारतीय टीम को अनुभवहीन कहे जाने के खिलाफ हैं । उन्होंने कहा, आज वे हो सकता है कि अनुभवहीन हों, लेकिन कल वे अनुभवी हो जाएंगे हमें अपनी टीम पर गर्व होना चाहिये । मुझे इन खिलाड़ियों में भरोसा है कि वे कुछ विशेष करेंगे । मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि जाओ और खेलो । केवल इतनी बात है । आनंद उठाओ, मैं भारतीय टीम से सिर्फ इतना कहना चाहता हूं । कपिल ने टीम के तेज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंस करते हुए उन्हें विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक करार दिया ।

बांगर की बेटी अनाया बोली, ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों को महिला क्रिकेट में भाग लेने की अनुमति दे आईसीसी और बीसीसीआई

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने आईसीसी और बीसीसीआई से ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों का समर्थन करने की अपील की है। अनाया ने कहा है कि ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों को भी महिला क्रिकेट में भाग लेने की अनुमति दी जाये। अभी ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों के महिला क्रिकेट भाग लेने पर प्रतिबंध है।

लड़के से लड़की बनी अनाया ने अपनी बात को तर्कसंगत बनाने एक वैज्ञानिक रिपोर्ट भी साझा की है जिसमें एक ट्रांसजेंडर एथलीट के रूप में उनकी परिवर्तन यात्रा को बताया गया है। अनाया इन निष्कर्षों को आईसीसी और बीसीसीआई को सौंपने की योजना बना रही हैं। उनका मानना है कि विज्ञान के अनुसार वह महिला क्रिकेट के लिए योग्य हैं और अब यह देखना है कि दुनिया इस सच्चाई को मानने के लिए तैयार है या नहीं।

अनाया ने इस रिपोर्ट का एक वीडियो भी जारी किया है। अनाया ने बताया कि उन्होंने एक साल तक हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) लेने के बाद मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम किया। इन टेस्टों में उनकी मांसपेशियों की ताकत, सहनशक्ति, ग्लूकोज और ऑक्सीजन के स्तर का डेटा इकट्ठा किया गया। फिर इस डेटा की तुलना सामान्य महिला एथलीटों से की गई। परिणामों से पता चला कि अनाया के ये सभी पैरामीटर सामान्य महिला एथलीटों के स्तर के भीतर थे। अनाया ने अपनी बात रखते हुए कहा, पहली बार, मैं उस वैज्ञानिक रिपोर्ट को साझा कर रही हूं जो एक ट्रांस महिला एथलीट के रूप में मेरी यात्रा को दिखाती है। पिछले एक साल में, मैंने हार्मोन थेरेपी शुरू करने के बाद संरचित शारीरिक आकलन किया है। यह रिपोर्ट मेरे परिवर्तन के वास्तविक, मापने योग्य प्रभाव को दर्शाती है, न कि राय, न धारणाएं, बल्कि डेटा।

अनाया ने आगे कहा, मैं इसे पूरी पारदर्शिता और उम्मीद के साथ बीसीसीआई और आईसीसी को सौंप रही हूं। मेरा एकमात्र इरादा डर पर नहीं, बल्कि तथ्यों पर आधारित है। जगह बनाना है, विभाजित करना नहीं। आप सहमत हों या न हों, देखने के लिए धन्यवाद।

श्रेयस होते तो भारतीय टीम के लिए बदलाव का सामना करना आसान होता : नाइट

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज निक नाइट ने भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टीम में रखा जाना चाहिये था । नाइट के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के नहीं होने से बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम को श्रेयस के रहने से लाभ होता । नाइट के अनुसार श्रेयस एक अच्छे बल्लेबाज जो जो मध्यक्रम को संभाल सकते हैं । उन्होंने कहा कि इस दौरे में भारतीय टीम ने चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को शामिल कर टीम किया है । वह टीम के लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे । अय्यर के टीम का हिस्सा नहीं होने के कारण नाइट को कुलदीप और युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं । सुदर्शन के लीड्स में पहले टेस्ट में डेब्यू करने की उम्मीद है । उन्होंने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल को इस दौरे में अहम जिम्मेदारी संभानली होगी । उनके ऊपर एक प्रकार से बल्लेबाजी टिकी होगी । उनके अलावा एक दो खिलाड़ियों को छोड़ दें तो अन्य सभी बल्लेबाज नये हैं और उनके पास अनुभव नहीं है । ऐसे में शीर्ष क्रम को बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी जिससे कि मध्यक्रम पर दबाव न आये । साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम को ये सीरीज जीतनी है तो उसके गेंदबाजों को 20 विकेट लेने होंगे । भारतीय टीम साल 2007 के बाद यहां एक भी सीरीज नहीं जीती है । ऐसे में उसके लिए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है । नाइट ने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर भारत को 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज जीतने है तो 20 विकेट लेना अहम होगा । इंग्लैंड के लिए 17 टेस्ट और 100 एकदिवसीय मैच खेलने वाले 55 साल के नाइट नहीं चाहते कि भारत अपनी बल्लेबाजी को मजबूत के लिए गेदंबाजी से समझौता करे ।

भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगा इंग्लैंड के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण का लाभ

लीड्स । यहां शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए बड़ा स्कोर बनाने का अवसर है । इसका कारण ये है कि मेजबान टीम के अनुभवी गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर है । ऐसे में भारतीय टीम टीम को कम अनुभवी गेंदबाजों का सामना करना है । तीन गेंदबाज ऐसे हैं, जिनका टेस्ट मैच खेलने का कुल अनुभव केवल 24 टेस्ट है । इसका लाभ अगर भारतीय बल्लेबाज उठाते हैं तो वह मैच में बढ़त हासिल कर सकती है । इंग्लैंड के गेंदबाजी क्रम में क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर हैं जैसे गेंदबाज हैं । वहीं पांचवें गेंदबाज कप्तान बेन स्टोक्स हैं । अगर वोक्स और स्टोक्स को हटा दिया जाये तो कार्स, टंग और बशीर के टेस्ट खेलने का कुल अनुभव 24 टेस्ट है । कार्स ने 5, टंग ने 3 और बशीर ने 16 मुकाबले ही खेले हैं । वहीं भारतीय बल्लेबाजी में भी अधिकतर युवा बल्लेबाज हैं केवल शीर्ष चार बल्लेबाजों को ही टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है । सबसे अनुभवी केएल राहुल 34 टेस्ट हैं वहीं यशस्वी जायसवाल ने भी अब तक 19 टेस्ट खेल लिया है ।

अपने फैसलों पर फोकस रखें शुभमन, बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं दे : तेंदुलकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में बदलाव के कठिन दौर में टीम की कमान संभालने जा रहे शुभमन गिल को उचित समय और सहयोग दिया जाना चाहिये और नए कप्तान को सलाह दी कि ड्रेसिंग रूम से बाहर की टिप्पणियों पर सोचे बिना वह अपनी रणनीति पर फोकस रखें। 25 वर्ष के गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत के कप्तान होंगे। इस श्रृंखला के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के नये चक्र की शुरूआत होगी।

भारतीय टीम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के बिना उतरेगी जो टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट से पूर्व पीटीआई को दिये इंटरव्यू में तेंदुलकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसे (गिल को) समय देना होगा। उसे सहयोग देने की भी जरूरत है।' भारत का कप्तान होना काफी दबाव वाला काम है और तेंदुलकर को पता है कि अलग अलग तरह के सुझाव सामने आयेंगे लेकिन उनका मानना है कि गिल इससे बखूबी निबट लेंगे।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कई तरह के सुझाव सामने आयेंगे कि उसे ऐसा करना चाहिये या वैसा करना चाहिये । इस तरह की बातें होंगी लेकिन उसे टीम की रणनीति पर फोकस करना चाहिए। ड्रेसिंग रूम में क्या बात हो रही है और क्या रणनीति उसके अनुरूप है।' तेंदुलकर ने कहा, 'और जो भी फैसले हो रहे हैं, वे टीम के हित में हैं या नहीं और उसे किस पर ध्यान देना चाहिए। उसे बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं देना चाहिए जिसमें लोग कहेंगे कि वह अधिक आक्रामक है या अधिक रक्षात्मक या इसी तरह की बातें। लोग राय देते रहेंगे। आखिर में मायने यही रखता है कि ड्रेसिंग रूम में क्या हो रहा है और टीम के हित में वह क्या कर रहा है। यही अहम है, बाकी कुछ नहीं।'

इंग्लैंड में 1990 से 2011 के बीच में पांच टेस्ट श्रृंखलायें खेल चुके तेंदुलकर का मानना है कि बल्लेबाजों को हालात के अनुरूप खुद को ढालना होगा। उन्होंने कहा, 'आपको हालात को भांपकर उसके अनुरूप बल्लेबाजी करनी होगी। जब आप हालात को समझते हैं तो मानसिक तौर पर उस तरह से अपनी रणनीति बना सकते हैं। एकतरफा ट्रैफिक नहीं हो सकता कि मेरा खेल ऐसा है और मैं तो ऐसे ही खेलूंगा।'

तेंदुलकर ने कहा, 'बल्लेबाजों को लचीला रवैया रखना होगा। ऐसा नहीं करने पर भारी खामियाजा उठाना पड़ सकता है। आपको पता होना चाहिए कि कब आक्रामक खेलना है और कब रक्षात्मक।' चुनौतियों के बावजूद भारत के पास काफी सकारात्मक पहलु हैं मसलन करूण नायर और बी साइ सुदर्शन जैसे बल्लेबाज भले ही इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट नहीं खेले हों लेकिन नॉर्थम्पटनशर और सर्रे के लिए काउंटी क्रिकेट खेल चुके हैं।

तेंदुलकर ने कहा, 'ये सभी इंग्लैंड में खेल चुके हैं। भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो लेकिन इंग्लैंड में क्रिकेट खेला है। वे यहां की परिस्थितियों से अनभिज्ञ नहीं हैं। वे दक्षिण अफ्रीका में, न्यूजीलैंड में, आस्ट्रेलिया में खेल चुके हैं। इन सभी अनुभवों से काफी कुछ सीखने को मिलता है। इन सभी अनुभवों को मिलाकर अभ्यास करेंगे तो परिणाम अच्छा ही होगा।' यह पूछने पर कि क्या दो स्पिनरों को उतारने की रणनीति सही होगी, तेंदुलकर ने कहा, 'यह पिच पर निर्भर करेगा। पिच पर घास है या नहीं। अगर घास नहीं है तो दो स्पिनरों को उतारा जा सकता है।'

विराट कोहली और रोहित के बिना भी भारतीय टीम में काफी गहरायी : कार्स

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना भी भारतीय टीम काफी अच्छी है और उसे कमजोर समझने की भूल नहीं की जा सकती है । कार्स के अनुसार भारतीय टीम को विराट और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की कमी से झटका जरुर लगा है पर इसके बाद भी उसकी बल्लेबाजी में काफी गहरायी है । इसलिए इन दोनो के नहीं होने के बाद भी पांच मैच की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम कड़ी चुनौती पेश करेगी कोहली और रोहित ने पिछले महीने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिय था जिसके बाद युवा शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था । कार्स ने कहा, '' ये सही है कि कोहली और रोहित की अनुपस्थिति उनके बल्लेबाजी क्रम के लिए बहुत बड़ी क्षति है । वे एक दशक से अधिक समय से बल्लेबाजी संभालते रहे हैं और बेहद अनुभवी विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं ।'' उन्होंने कहा, '' पर इसके बाद भी भारतीय क्रिकेट में जो गहराई है और जिस तरह के खिलाड़ी आ रहे हैं, उससे उनकी टीम काफी अच्छे अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों के साथ उतरेगी और वे हमें कड़ी चुनौती देंगे ।'' ये सीरीज लीड्स टेस्ट के साथ शुक्रवार से शुरू होगी । तेज गेंदबाज कार्स ने कहा कि उनका गेंदबाजी आक्रमण पिचों की के अनुनसार युवा भारतीय बल्लेबाजी क्रम के कम अनुभवों का लाभ उठाने का प्रयास करेगा । कार्स ने कहा, ''उनके पास स्तरीय खिलाड़ी हैं । यह इस बात पर निर्भर करता है कि पिच कैसी रहती है । मुझे लगता है कि कोई भी बल्लेबाज जिसे आप गेंदबाजी कर रहे हैं, आप जानते हैं कि नई गेंद से या शुरुआती 20 गेंद पर आउट होने की संभावना अधिक है ।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कब और किसे नहीं खाना चाहिए कद्दू

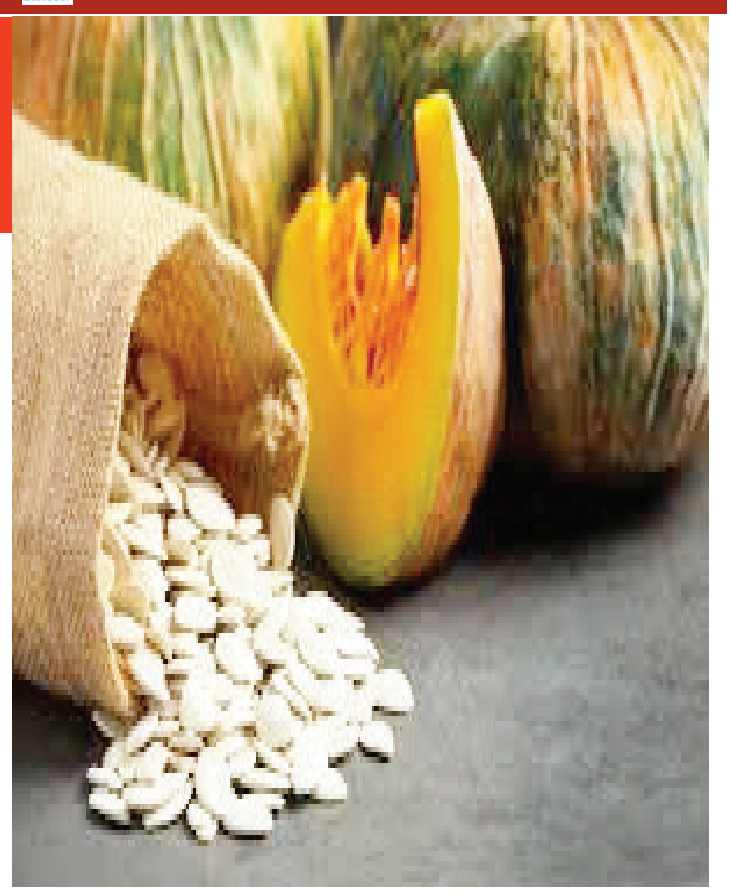

कद्दू विटामिन ए से भरपूर होता है। यह त्वचा, हड्डी और दांतों को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है। इसके अलावा ये फाइबर से भरपूर है जो कि कई बीमारियों से बचाता है। ये पेट का मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है और पाचन क्रिया को तेज करता है। कद्दू में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जैसे अल्फा-कैरोटीन, बीटा-कैरोटीन और बीटा-क्रिप्टोक्सैन्थिन। ये एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों को बेअसर कर सकते हैं और आपकी कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त होने से बचा सकते हैं। लेकिन, हर स्थिति में कद्दू खाना फायदेमंद नहीं है। क्यों जानते हैं इस बारे में।

पेट सही न हो तो कद्दू न खाएं : कद्दू खाना गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) इंफेक्शन से जुड़े लक्षणों को बढ़ा सकता है। इसकी वजह से आपको फूड एलर्जी हो सकती है। इससे अलावा कद्दू खाना पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकता है जिससे समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

फूड प्वाइजनिंग हो सकती है : कद्दू खाना बैक्टीरिया, वायरस और अन्य रोगजनकों को प्रसारित कर सकता है जो बीमारी का कारण बन सकते हैं। ये फूड प्वाइजनिंग की वजह बन सकता है और आपको गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। इसे खाने के बाद उल्टी, मतली और कई प्रकार की समस्याएं हो सकती है और ये दस्त समेत शरीर को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है।

गर्भवती हैं या स्तनपान कराने वाली मां : जो लोग गर्भवती हैं या स्तनपान करा रही हैं, उन्हें इसे खाने से बचना चाहिए। साथ ही ध्यान रखें कि किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करने से पहले हमेशा अपने आहार के बारे में डॉक्टर से जांच करनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इसे खाना उनके लिए सुरक्षित है या नहीं।

कुछ दवाओं के कारण नुकसान : कद्दू के पोषक तत्व शरीर को पानी की मात्रा को जल्दी से खत्म करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं यानी कि डिहाइड्रेट कर सकते हैं। जो इस बात पर असर डाल सकता है कि शरीर लिथियम जैसी कुछ दवाओं को कैसे अवशोषित करता है। इसलिए दवाओं के साथ कद्दू खाने से बचें।

लो बीपी में : कद्दू के बीज में बीटा कैरोटीन और मैग्नीशियम होता है जो ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन, अगर आप हाई बीपी की दवाओं जैसी दवाओं का उपयोग कर रहे हैं, तो अपने आहार में कद्दू को शामिल करने से पहले डॉक्टर से बात करें। तो, इन तमाम स्थितियों में कद्दू खाने से बचें।

खाना खाने के कितनी देर के बाद पानी पीना चाहिए?

कुछ लोग खाना खाने से पहले पानी पीते हैं, तो वहीं कुछ लोग खाना खाते-खाते पानी पी लेते हैं और कुछ लोग खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना खाते-खाते या फिर खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने की वजह से आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है? आइए जानकारी हासिल करते हैं कि आखिर आपको खाना खाने के कितनी देर बाद पानी पीना चाहिए।

30 मिनट के बाद पिएं पानी

आयुर्वेद के मुताबिक आपको खाना खाने के कम से कम 20-30 मिनट के बाद ही पानी पीना चाहिए। अगर आप खाना खाने के आधे घंटे बाद पानी पीते हैं, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर नहीं पड़ता है। यानी अगर आप अपने डाइजेस्टिव सिस्टम को डिस्टर्ब नहीं करना चाहते, तो आपको खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए।

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से क्या होता है?

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आपकी इस आदत की वजह से आपको पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खाने के एकदम बाद पानी पीने से डाइजेशन प्रोसेस धीमा हो जाता है। यही वजह है कि आयुर्वेद में खाने के तुरंत बाद पानी पीने से मना किया जाता है।

गौर करने वाली बात

आयुर्वेद के मुताबिक खाने को अच्छी तरह से चबाकर खाना चाहिए। अगर आप बड़ी-बड़ी बाइट्स बिना चबाए निगल जाएंगे, तो आपकी गट हेल्थ पर नेगेटिव असर पड़ सकता है और आप पेट से जुड़ी समस्याओं का शिकार बन सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहते हैं कि आपका खाना अच्छी तरह से डाइजेस्ट हो पाए, तो आपको खाने और सोने के बीच में भी कम से कम दो से तीन घंटे का गैप रखना चाहिए।

मधुमेह के मरीज रोज सुबह खाली पेट पी लें इस सूखे पत्ते की चाय

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

सेहत के लिए वरदान साबित होगी लेमनग्रास टी

क्या आप जानते हैं कि सही मात्रा में और सही तरीके से लेमनग्रास चाय पीने से आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को काफी हद तक दूर कर सकते हैं? आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लेमनग्रास टी में विटामिन ए, विटामिन सी, जिंक, कॉपर, आयरन, पोटैशियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर लेमनग्रास टी पीने की सलाह देते हैं। आइए इसके पीछे छिपे कुछ कारणों के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

लेमनग्रास टी में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधार सकते हैं। एसिडिटी और पेट दर्द जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप लेमनग्रास टी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा लेमनग्रास टी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को भी काफी हद तक आसान बना सकती है।

बूस्ट करे इम्यूनिटी

विटामिन सी रिच लेमनग्रास टी को रेगुलरली कंज्यूम करने से आप अपने इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बना सकते हैं। लेमनग्रास टी न केवल कोलेस्ट्रॉल लेवल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बल्कि आपकी हार्ट हेल्थ को सुधारने में भी कारगर साबित हो सकती है। जोड़ों के दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी लेमनग्रास टी का सेवन किया जा सकता है।

मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लेमनग्रास टी न केवल आपकी फिजिकल हेल्थ के लिए बल्कि आपकी मेंटल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है। अगर आप तनाव और चिंता को कम करना चाहते हैं, तो लेमनग्रास टी पीना शुरू कर दीजिए। कुल मिलाकर अपनी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने के लिए लेमनग्रास टी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है।

फायदा ही नहीं सेहत को नुकसान भी पहुंचाता है ओट्स

जानें किन लोगों को भूलकर भी नहीं खाना चाहिए?

ओट्स का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह सुपरफूड अपने हाई फाइबर और हृदय स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। रात भर भिगोए गए ओट्स से लेकर ओट्स चीला तक, इस अनाज को खाने के कई तरीके हैं। यानी नाश्ते के लिए ओट्स एक हेल्दी विकल्प है, लेकिन कुछ लोगों को इसे नहीं खाना चाहिए। चलिए जानते हैं वे लोग कौन हैं?

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए ओट्स :

एलर्जी होने पर : ओट्स से एलर्जी बच्चों और वयस्कों दोनों को प्रभावित कर सकती है। ओट्स एलर्जी के लक्षणों में पित्ती, जठरांत्र संबंधी, श्वसन संबंधी समस्याएं शामिल हैं। इसलिए, ओट्स से एलर्जी वाले लोगों को ओट्स के उत्पादों का सेवन करने से बचना चाहिए।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम से पीड़ित : ओट्स में घुलनशील फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। लेकिन, ओट्स में मौजूद हाई फाइबर इरिटेबल बाउल सिंड्रोम वाले लोगों में यह समस्या हो सकती है। इससे पेट में सूजन, गैस और तकलीफ पैदा हो सकती है।

मिनिरल्स की कमी होने पर : ओट्स में फाइटिक एसिड होता है, जो एक एंटीन्यूट्रिएंट है जो कैल्शियम, आयरन और जिंक जैसे आवश्यक मिनिरल्स से जुड़ सकता है, जिससे शरीर में अवशोषण कम हो जाता है। हालांकि यह स्वस्थ लोगों के लिए हानिकारक नहीं है, लेकिन जिन लोगों में मिनिरल्स की कमी है या जो लोग मुख्य रूप से ओट्स खाते हैं, उन्हें कम मात्रा में ओट्स खाना चाहिए।

किडनी की बीमारी से पीड़ित लोग : ओट्स में फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है, जो किडनी के लिए हानिकारक हो सकती है, इसलिए किडनी की बीमारी वाले लोगों को ओट्स खाने से बचना चाहिए।

डायबिटीज के मरीज: ओट्स में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकते हैं, इसलिए डायबिटीज के मरीजों को डॉक्टर से सलाह लेकर ही ओट्स खाना चाहिए।

खाने के बाद करें 10 मिनट की वॉक

रोजाना वॉक करके आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर भगा सकते हैं। लेकिन क्या आप खाना खाने के बाद वॉक करने के कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं? दादी-नानी के जमाने से खाना खाने के बाद वॉक करने की सलाह दी जाती रही है। जो लोग रेगुलरली टहलते हैं, उनका शरीर बाकी लोगों की तुलना में ज्यादा ताकतवर बन जाता है। आइए जानते हैं कि खाना खाने के बाद वॉक क्यों करनी चाहिए... आपको हर रोज खाना खाने के बाद महज 10 मिनट निकालकर टहलना चाहिए। एक हफ्ते तक इस नियम को बिना तोड़े फॉलो कीजिए और आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखने को मिल जाएगा। हालांकि, खाना खाने के बाद आपको ज्यादा तेज स्पीड में वॉक नहीं करनी चाहिए वरना आपके शरीर पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

मिलेंगे फायदे ही फायदे - खाने के बाद वॉक करने से आप अपने ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर सकते हैं। अगर आपको डायबिटीज है तो आपको इस नियम को जरूर फॉलो करना चाहिए। खाने के बाद वॉक करने से न केवल आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट किया जा सकता है बल्कि आपकी गट हेल्थ को भी काफी हद तक सुधारा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारी बारिश में कुआं ढहा, दो स्कूली छात्र मिट्टी में दबे

खूंटी (एजेंसी)। झारखंड के खूंटी जिले में भारी बारिश के कारण एक कुआं ढहने से दो स्कूली छात्र मिट्टी के नीचे दब गए। प्रशासन ने बताया कि मुरहू पंचायत में यह घटना तब हुई जब दोनों छात्र कुएं के करीब थे। प्रशासन ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक दल को बचाव अभियान में तैनात किया है, लेकिन मिट्टी में दबे छात्रों का अभी पता नहीं चल सका है। भारी बारिश के कारण खूंटी के तोरपा में बनाई नदी पर पुल का एक हिस्सा भी ढह गया है जिससे खूंटी-सिमडेगा सड़क मार्ग बाधित हो गया है। एक अधिकारी ने बताया कि रांची सहित कई जिलों में भारी बारिश के कारण जनजीवन बाधित हो गया है। भारी बारिश के मद्देनजर बृहस्पतिवार को रांची और खूंटी सहित कई जिलों में स्कूल बंद किए गए हैं। एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए दल तैयार है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रांची में बीते दो दिन से मूसलाधार बारिश हो रही है और गुरुवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने रांची, लोहरदगा, गुमला, खूंटी और सिमडेगा के लिए अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है।

असम में फिर एक गद्दार की गिरफ्तारी, पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट कर रहा था सफीकुल हक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अंदर भी कई दुश्मन नकाब पहन कर घूम रहे हैं, जो समय-समय पर देश के खिलाफ साजिश रचते हैं या साजिश रचने वालों की मदद करते हैं। पहलगाम हमले के बाद ज्योति मल्होत्रा रहित कई जासूसों को गिरफ्तार किया गया। इसी कड़ी में असम राज्य से अब तक सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां इन गददरों की हुई है। सोशल मीडिया पर ''पाकिस्तान समर्थक और सांप्रदायिक पोस्ट'' साझा करने के आरोप में असम में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। राज्य में इसतरह के मामलों में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 94 हो गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। सीएम शर्मा ने बताया कि आरोपी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और नलबाड़ी से गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री ने पोस्ट कर बताया कि कामरूप पुलिस ने सफीकुल हक को गिरफ्तार किया है, जो अलग-अलग सिम कार्ड का इस्तेमाल कर फेसबुक पर पाकिस्तान के समर्थन में और सांप्रदायिक पोस्ट साझा कर रहा था।'' पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, जो कथित तौर पर ''भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों'' में लिप्त हैं। विपक्षी 'ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम को पाकिस्तान और पहलगाम आतंकवादी हमले में उसकी मिलीभगत का बचाव करने के लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में जमानत मिलने के बाद उन पर रासुका के तहत मामला दर्ज किया गया।

भय के वातावरण के बाद अब पटरी पर लौट रहा जम्मू-कश्मीर का पर्यटन

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस असुरक्षा और भय का वातावरण पैदा होने की बात कही जा रही थी, वह अब खत्म हो रहा है। कश्मीर तक वंदे भारत ट्रेन के चलने और अमरनाथ यात्रा से पर्यटन फिर पटरी पर लौटने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। पर्यटकों की बढ़ती भीड़ और अमरनाथ यात्रा को देखते हुए सरकार ने बैसरन हमले के बाद बंद किए गए 50 पर्यटन स्थलों में से 16 को फिर खोल दिया है। उम्मीद की जा रही है कि सरकार अन्य पर्यटन स्थलों को भी जल्द ही खोल देगी। चंद दिनों में अमरेश्वर धाम की तीर्थयात्रा भी शुरू हो रही है। यह तीर्थयात्रा भी आतंकियों के निशाने पर रहती है। अगर तीर्थयात्रा आतंकी अपने किसी नापाक मंसूबे में सफल रहते हैं तो कश्मीर का पर्यटन पूरी तरह से पटरी से उतर जाएगा। ऐसा हुआ तो कश्मीर की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा नुकसान पहुंचेगा। आम लोगों को भी ऐसे तत्वों के प्रति सचेत रहना होगा जो माहौल बिगाड़ने का षड्यंत्र रच रहे हैं। इसलिए सुरक्षातंत्र में किसी भी तरह के समझोते की गुंजाइश नहीं हैं।

बेंगलुरु में मिले मानव कंकाल से सनसनी, पुलिस ने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी और भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु की एक हाउसिंग सोसाइटी में मानव कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई है। मामले की जानकारी मिलते ही हरकत में आई स्थानीय पुलिस ने मानव खोपड़ी और कंकाल को जब्त कर छानबीन शुरू कर दी गई है। फिलहाल इसे फॉरेंसिक एनालिसिस के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, बेंगलुरु के मिको लेआउट स्थित बेगूर के एक अपार्टमेंट परिसर क्रेडेंस फ्लोरा में रह रहे निवासियों को उस समय गहरा झटका लगा जब सफाई के दौरान परकोलेशन पिट (आमतौर पर बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए बनाया गया गड्ढा) से मानव खोपड़ी और हड्डियां बरामद हुईं। यह सनसनीखेज घटना 16 जून को उस समय सामने आई जब रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सफाई का कार्य चलाया जा रहा था। इस मामले की शिकायत अध्यक्ष स्कारिया जॉन ने दर्ज कराई, जिसके आधार पर बेगूर पुलिस ने अननैचुरल डेथ का मामला दर्ज किया है। बरामद खोपड़ी और हड्डियों को आगे की जांच के लिए फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस को एक्सपर्ट की रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे मृतक की उम्र और मौत के समय से जुड़ी जानकारी सामने आ सकती है। स्कारिया जॉन ने अपनी शिकायत में बताया कि अपार्टमेंट परिसर में मौजूद 16 परकोलेशन पिट्स काफी समय से काम नहीं कर रहे थे, जिसके चलते नगर निकाय की ओर से नोटिस भी जारी हुए थे। इसी कारण पिट्स की सफाई के लिए एक ठेका दिया था। सफाईकर्मियों ने जब एक पिट को साफ करना शुरू किया, तो उसमें से उन्हें मानव अवशेष दिखाई दिए।

3000 के फास्टैग पास का फायदा देश के कई शहरों को नहीं मिलेगा

-कई हाईवे और एक्सप्रेसवे राज्य या निजी कंपनियां कर रही हैं ऑपरेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन मंत्रालय ने तीन हजार रुपए सालाना पास का ऐलान किया है। इससे सालभर में आप 200 ट्रिप एनएच के टोल प्लाजा से फ्री में गुजर सकते हैं। इससे उन लोगों को फायदा होगा, जो एनएच के टोल से गुजरते हैं, लेकिन देश में बहुत से एक्सप्रेस-वे और हाईवे ऐसे हैं, जिन पर आपको टोल चुकाना होगा। देश में कई हाईवे और एक्सप्रेसवे राज्य सरकारों या बीओटी मॉडल के तहत निजी कंपनियों द्वारा ऑपरेट किए जा रहे हैं।

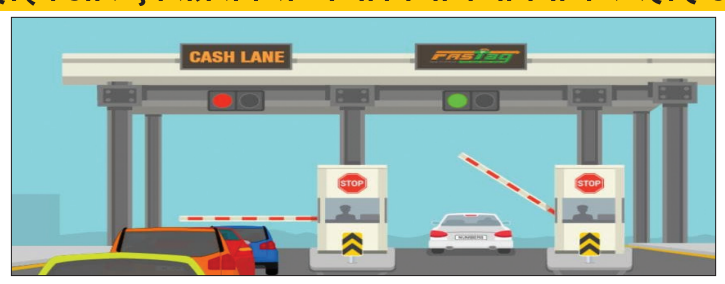

बता दें यूपी में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के तहत इसी तरह, महाराष्ट्र में मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे भी एमएसआरडीसी द्वारा बीओटी मॉडल पर आपरेट हैं। ये सभी परियोजनाएं एनएचएआई से अलग हैं, इसलिए इन पर नया फास्टैग नियम लागू नहीं होगा। यूपी एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण राज्य के अधिकांश एक्सप्रेसवे का निर्माण और संचालन करता है। यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे, लंबाई- 594 किमी यह राज्य सरकार की परियोजना है, इसलिए नया फास्टैग नियम इस पर लागू नहीं होगा। इसके अलावा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की लंबाई-340.8 किमी है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की लंबाई 296 किमी आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की लंबाई 302 किमी शामिल है।

वहीं मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, जिसे यशवंतराव चव्हाण एक्सप्रेसवे भी कहा जाता है, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम द्वारा ऑपरेट किया जा रहा है। यह भारत का पहला छह-लेन एक्सप्रेसवे है, जिसका निर्माण बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) मॉडल के तहत किया गया है चूंकि यह एनएचएआई के तहत नहीं आता है इसकी लंबाई 94.5 किमी है। मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे लंबाई 701 किमी, मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे की लंबाई 379 किमी है।

कर्नाटक सड़क विकास निगम लिमिटेड और सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रमुख परियोजनाओं का प्रबंधन करते हैं। बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे-लंबाई 119 किमी, शिवमोग्गा-हावेरी एक्सप्रेसवे- लंबाई 200 किमी प्रस्तावित है।

तमिलनाडु सड़क विकास कंपनी और राज्य राजमार्ग विभाग प्रमुख परियोजनाएं संचालित करते हैं। चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे-लंबाई-262 किमी (तमिलनाडु हिस्सा)

ईस्ट कोस्ट रोड (ईसीआर)-लंबाई 160 किमी है। वहीं गुजरात राज्य सड़क विकास निगम कई परियोजनाएं संभालता है। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे-दलंबाई 93.1 किमी, राजकोट-जामनगर एक्सप्रेसवे लंबाई 117 किमी है आंध्र प्रदेश में अमरावती-अनंतपुर एक्सप्रेसवे (176 किमी, निर्माणाधीन)। केरल का कोच्चि-मदुरै एक्सप्रेसवे (227 किमी, प्रस्तावित) है।

नक्सल मुक्त अभियान सफल हो रहा है, पर पीड़ितों की समस्याओं का समाधान कब होगा

नई दिल्ली। कांकेर(ईएमएस)। जिले के अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित इलाकों से दिल को झकझोर देने वाली सच्चाई सामने आई है। यहां के कई ग्रामीण वर्षों से नक्सलियों के भय और उत्पीड़न का दंश झेलते आ रहे हैं। किसी ने अपने बेटे को खोया, किसी ने पति को, तो किसी ने अपनी बहन को नक्सल हिंसा में गंवा दिया। मजबूरीवश इन्हें अपना पुश्तैनी घर, खेत-खलिहान और पहचान छोड़कर दूसरे गांवों में शरण लेनी पड़ी। पीडित परिवारों का कहना है, ÷हम थक चुके हैं, लेकिन जब तक हमें पुनर्वास नीति के तहत नौकरी, मकान और बच्चों की शिक्षा नहीं मिलेगी, हम चुप नहीं बैठेंगे। हमने अपने जीवन के कीमती साल खो दिए, अब हमारी पीड़ा को समझिए।÷यह सिर्फ एक सरकारी योजना का सवाल नहीं है, यह इंसानियत, अधिकार और सम्मान की पुकार है।

सबसे बड़ा दर्द यह है कि जो लोग हाल ही में नक्सल हिंसा से पीड़ित हुए हैं, उन्हें तो सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ तुरंत मिल रहा है, लेकिन जिन्होंने दशकों पहले सब कुछ खोया, वे आज भी दर-दर भटक रहे हैं। आज ये पीड़ित परिवार कांकेर एसपी कार्यालय पहुंचे और पुनः आवेदन दिया बस एक ही मांग के साथ कि हमें न्याय चाहिए, हमें सम्मान के साथ जीने का हक चाहिए। इन पीड़ित परिवारों को गांव छोड़े अब 20 साल से ज्यादा हो चुके हैं। वे आज भी अस्थाई झोपड़ियों में रह रहे हैं, बिना किसी स्थायी घर, रोजगार या बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था के। हालांकि शासन ने इन्हें नक्सल पीड़ित होने का प्रमाण पत्र दे दिया है, लेकिन इसका ठोस लाभ आज तक नहीं मिला।

संजय कपूर की मौत मधुमक्खी के काटने से नहीं हुई, विशेषज्ञ ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जाने-माने बिजनेसमैन और बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर की 12 जून को इंग्लैंड में पोलो मैच के दौरान मौत हो गई थी। इस मौत का कारण मधुमक्खी का डंक बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोलो मैच खेलने के दौरान उनके मुंह में मधुमक्खी चली गई जिसने डंक मार दिया था और उसकी वजह से संजय कपूर की मौत हुई। संजय कपूर के आखिरी शब्द भी यही थे कि मैंने कुछ निगल लिया है। मधुमक्खी के डंक के बाद दिल का दौरा पड़ने की वजह से संजय की मौत हो जाने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बना गया है कि आखिर क्या मधुमक्खी का डंक इतना जहरीला होता है कि किसी की जान चली जाए या वजह कुछ और ही है। इसको लेकर एलर्जी विशेषज्ञ और आईएपी एलर्जी चैप्टर के चेयरपर्सन ने बताया कि संजय कपूर की मौत दिल का दौरा पड़ने से नहीं हुई है। दिल का दौरा उन्हें क्यों पड़ा यह जानने की जरूरत है। विशेषज्ञ ने बताया कि असल में संजय कपूर ने मधुमक्खी निगल ली थी और जिसने उनके मुंह में डंक मार दिया था और जानकारी यह भी मिल रही है कि संजय कपूर को पहले से ही मधुमक्खी के डंक से एलर्जी थी। ऐसे में संजय कपूर की जो मौत हुई है वह असल में एक गंभीर एलर्जी की वजह से हुई है, जिसे एनाफिलैक्सिस कहा जाता है। यह गंभीर एलर्जी किसी चीज के संपर्क में आने से जैसे धूल, खाना, परफ्यूम या मिट्टी या फिर कोई भी ऐसी चीज जिसके संपर्क में आने से आपके शरीर पर दाने हो जाएं, आपको खांसी, सांस लेने में दिक्कत, होठों पर सूजन या ब्लड प्रेशर लो, तो समझ लीजिए कि आपको उस चीज से एलर्जी है और आप सावधानी करनी शुरू कर दें।

राजा हत्याकांडः रिमांड पूरी, हत्यारों को शिलॉन्ग कोर्ट में पेश करेगी पुलिस

-आरोपियों की हिरासत बढ़ाने करेगी आग्रह, पूछताछ में रो पड़ती है सोनम

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर के चर्चित व्यापारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार पांचों आरोपियों को शिलॉन्ग की जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया जाएगा। इन सभी की आठ दिन की पुलिस रिमांड आज समाप्त हो रही है। मेघालय पुलिस अब आरोपियों की हिरासत बढ़ाने कोर्ट से आग्रह करेगी, ताकि जांच को और गहराई से आगे बढ़ाया जा सके। यह मामला सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि एक गहरे षड्यंत्र की परतों को उजागर कर रही है, जिसमें पत्नी, प्रेमी और पेशेवर हत्यारों की भूमिका सामने आई है।

इंदौर के राजा रघुवंशी को उनकी पत्नी सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर मरवाया था। इस साजिश को अंजाम देने के लिए उन्होंने तीन बदमाश आनंद सिंह कुर्मी, आकाश राजपूत और विशाल सिंह चौहान को पैसे देकर हायर किया था। हत्या की साजिश उस वक्त रची गई जब सोनम और राजा मेघालय में हनीमून मनाने गए थे।

जानकारी के मुताबिक सोनम पहले से ही अपने प्रेमी राज कुशवाहा के संपर्क में थी और उसी दौरान योजना बनाई गई कि मेघालय में राजा की हत्या कर दी जाएगी।

बता दें राजा रघुवंशी का शव 2 जून को एक सुनसान पहाड़ी इलाके में मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर घावों के निशान मिले हैं, जिससे साबित होता है कि उनकी बेरहमी से हत्या की गई थी। घटना के बाद मेघालय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी पांचों आरोपियों सोनम, राज कुशवाहा, आनंद, आकाश और विशाल को गिरफ्तार कर लिया था। इन्हें 11 जून को शिलॉन्ग की जिला एवं सत्र अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। पुलिस पूछताछ में सोनम ने राजा की हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल की है। वहीं पुलिस ने सभी आरोपियों का आमना-सामना कराकर परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पुष्टि भी की। पूछताछ में सोनम कई बार रो पड़ी और अपने मोबाइल फोन के न मिलने की बात बताई। अब पुलिस जांच मेघालय से इंदौर की ओर मुड़ गई है। मेघालय पुलिस की एक विशेष टीम इंदौर पहुंची, जहां वह सोनम और राजा के परिवारजनों से पूछताछ कर रही है।

देश में कमजोर पड़ रहा कोविड-19 संक्रमण, बीते 24 घंटे में सक्रिय मामलों में गिरावट

नई दिल्ली। कोविड-19 संक्रमण का नया वैरिएंट अब कमजोर होता दिख रहा है। इससे संक्रमण के सक्रिय मामलों में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। आम लोगों और सरकारों के लिए ये बड़ी राहत है। फिलहाल भारत में कोविड संक्रमण के सक्रिय केस घटकर 6 हजार से नीचे आ चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड को लेकर 19 जून की सुबह 8 बजे तक के आंकड़े जारी किए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पूरे देश में 507 संक्रमण के मामले कम हुए हैं। इससे कुल सक्रिय केस घटकर 5976 बचे हैं। गुरुवार को सबसे बड़ी गिरावट कर्नाटक में दर्ज की गई, जहां संक्रमण के 187 केस घटे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटों में कर्नाटक के अलावा राजस्थान में 83, केरल में 75, गुजरात में 59, महाराष्ट्र में 46, उत्तर प्रदेश में 18 और आंध्र प्रदेश में 13 सक्रिय केस घटे हैं। हरियाणा में 9, मध्य प्रदेश में 7, झारखंड में 6, बिहार में 3, जम्मू कश्मीर में 2 और तेलंगाना-छत्तीसगढ़ में एक-एक कोरोना केस कम हुए हैं। 24 घंटों में संक्रमण के केस घटने के बाद केरल में अब कुल सक्रिय केस 1309 बचे हैं। गुजरात में अभी 1046 सक्रिय केस हैं। वहीं कर्नाटक में 466, महाराष्ट्र में 443, उत्तर प्रदेश में 257, राजस्थान में 219, तमिलनाडु में 187 और हरियाणा में 106 लोग अभी कोविड से संक्रमित हैं।

चार राज्यों की 5 सीटों पर वोटिंग जारी, केजरीवाल-ममता दीदी के सामने चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल, केरल, गुजरात और पंजाब की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। इन उपचुनावों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ा लिटमस टेस्ट माना जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस और माकपा जहां पश्चिम बंगाल और केरल में अपनी सत्ता को और मजबूत करने की कोशिश में हैं, वहीं भाजपा और आम आदमी पार्टी गुजरात और पंजाब में अपनी सीटें बचाने के लिए जोर लगा रही हैं। इन चुनावों के नतीजे 23 जून को आएंगे और सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेता अपनी पकड़ बरकरार रख पाएंगे।

पश्चिम बंगाल के कालिगंज में उपचुनाव टीएमसी विधायक नासिरुद्दीन अहमद की मृत्यु के बाद हो रहा है। टीएमसी ने उनकी बेटी अलिफा अहमद को उम्मीदवार बनाया है, ताकि महिला और अल्पसंख्यक वोटरों को अपने पक्ष में किया जा सके। भाजपा ने स्थानीय कार्यकर्ता आशीष घोष को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस-सीपीआई(एम) गठबंधन ने कबील उद्दीन शेख को चुना है।

केरल के नीलांबुर में उपचुनाव माकपा-समर्थित निर्दलीय विधायक पीवी अनवर के इस्तीफे के बाद हो रहा है, जिन्होंने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से मतभेद के बाद पार्टी छोड़ दी थी। माकपा ने एम स्वराज को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने पुराने नेता अर्यादान शौकत को उतारा है।

गुजरात की दो सीटों विसावदर और कड़ी पर उपचुनाव हो रहे हैं। विसावदर सीट आप विधायक भूपेंद्र भायानी के इस्तीफे और भाजपा में शामिल होने के बाद खाली हुई थी। भाजपा ने किरीट पटेल को उम्मीदवार बनाया है, जो सहकारी नेता और पूर्व जिला पार्टी अध्यक्ष हैं।

पंजाब के लुधियाना (पश्चिम) में उपचुनाव आप विधायक गुरप्रीत बसी गोगी की मृत्यु के बाद हो रहा है। आप ने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार बनाया है, जो इस शहरी सीट को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस के भारत भूषण आशु, भाजपा के जीवान गुप्ता और शिरोमणि अकाली दल के परुपकर सिंह घुम्मन मैदान में हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, अरविंद केजरीवाल और आतिशी ने आप के लिए जमकर प्रचार किया, जबकि भाजपा ने दिल्ली और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों रेखा गुप्ता और नायब सिंह सैनी को उतारा।

पीके ने तेजस्वी पर साधा निशाना बोले- नीतीश का बेटा नहीं आ रहा राजनीति में

गोपालगंज (एजेंसी)। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के बहाने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कभी भी राजनीति में नहीं आएंगे। तेजस्वी को लेकर कहा कि

जिस हालत में वो खुद और उनका परिवार है। सभी जानते हैं कि उनके परिवार पर परिवारवाद का आरोप लगता है। तो ऐसे तेजस्वी यादव जैसे लोग चाहते हैं कि अगर नीतीश कुमार का लड़का राजनीति में आ जाए तो हमको यह कहने को हो जाएगा कि सभी के बच्चे राजनीति में हैं। हमाम में सब नंगे हैं।

एक राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अपनी पहचान रखने वाले प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि मैं जहां तक समझता हूं नीतीश कुमार का लड़का राजनीति में नहीं आ रहा है। अभी तक नहीं आ रहा है और आगे भी नहीं आएगा। लेकिन यह अफवाह तेजस्वी यादव जैसे लोग इसलिए उड़ाते हैं ताकि यह कहने को हो जाए कि हम अकेले नहीं हैं परिवारवाद करने वाले बिहार में सारे लोग परिवारवाद कर रहे हैं। बता दे कि बीते कई दिनों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में आने और चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रहीं थी। इसको लेकर कई राजनैतिक दलों में चर्चा है कि निशांत के चुनाव लड़ने से बिहार में क्या असर होगा। यहां सवाल सिर्फ एक सीट का नहीं है बल्कि पूरे प्रदेश में किस तरह का असर होगा इसको लेकर चर्चा चल रही है। हालांकि निशांत की पहचान सिर्फ सीएम के बेटे के तौर पर है। वो कभी सक्रिय राजनीति में नहीं रहे, लेकिन नीतीश के बेटे के तौर पर राज्य की कुछ सीटों को प्रभावित कर सकते हैं।

अब एयरपोर्ट के आसपास ऊंची इमारतों पर होगी कार्रवाई, डीजीसीए ने उठाया कदम

-अधिकारियों को ढांचे को गिराने या ऊंचाई कम करने का होगा अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद एयर इंडिया विमान दुर्घटना के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय (डीजीसीए) ने एक अहम कदम उठाया है। मंत्रालय ने विमान सुरक्षा में जोखिम पैदा करने वाली भौतिक संरचनाओं पर नियंत्रण को कड़ा करने के लिए नए मसौदे और नियम जारी किए हैं। बता दें 12 जून को अहमदाबाद से लंदन का रहा विमान उड़ान भरते ही कुछ दूरी पर जाकर विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराया और उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना में विमान में सवार 242 में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद अब केंद्र सरकार कड़े कदम उठा रही है।

नए मसौदा नियमों का नाम 'विमान अवरोधों को गिराने के नियम-2025' रखा गया है। ये नियम राजपत्र में प्रकाशित होते ही लागू हो जाएगा। इनका उद्देश्य एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्रों में ऊंचाई की सीमा से ज्यादा इमारतों और पेड़ों पर त्वरित कार्रवाई के लिए अधिकारियों को अधिकार देना है। इस पहल को विमान मार्गों में आने वाली रुकावटों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक सक्रिय कदम के रूप में देखा जा रहा है।

मसौदा नियमों के तहत यदि कोई इमारत तय ऊंचाई से ज्यादा है तो संबंधित क्षेत्र के प्रभारी अधिकारी की ओर से उसे नोटिस जारी किया जाएगा। संपत्ति मालिक को 60 दिनों के अंदर साइट प्लान और ढांचे की माप समेत अन्य विवरण प्रस्तुत करने होंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो अधिकारियों को ढांचे को गिराने या ऊंचाई कम करने की कार्रवाई का अधिकार होगा।

यदि डीजीसीए या कोई अधिकृत अधिकारी किसी ढांचे को नियमों का उल्लंघन मानता है तो वो इसे हटाने या कम करने का आदेश जारी कर सकता है। मालिक को पालन करने के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा, जो उचित कारणों पर और 60 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा अधिकारियों को दिन के समय स्थल का निरीक्षण करने की इजाजत होगी, बशर्ते वह संपत्ति मालिक को पहले से सूचित करें। अगर संपत्ति मालिक सहयोग नहीं करता तो अधिकारी जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई कर सकते हैं और मामला डीजीसीए को भेज सकते हैं।

मसौदा नियमों के तहत यदि किसी ढांचे को हटाने या कम करने का आदेश दिया जाता है तो संपत्ति मालिक पहले या दूसरे अपीलीय अधिकारी के सामने तय फॉर्म, जरुरी दस्तावेज और एक हजार रुपए शुल्क के साथ अपील कर सकते हैं। इसमें मुआवजे की शर्तें भी रखी गई हैं। सिर्फ वह मालिक जिन्हें आधिकारिक आदेशों के मुताबिक ढांचे को गिराने या संशोधित करने के लिए कहा गया है और जिन्होंने आदेश का पालन किया है, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। अधिसूचना की तिथि के बाद नियमों का उल्लंघन कर बनाए गए किसी भी ढांचे को मुआवजा नहीं मिलेगा। डीजीसीए ने इन मसौदा नियमों पर प्रकाशन के 20 दिनों के अंदर जनता से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं।

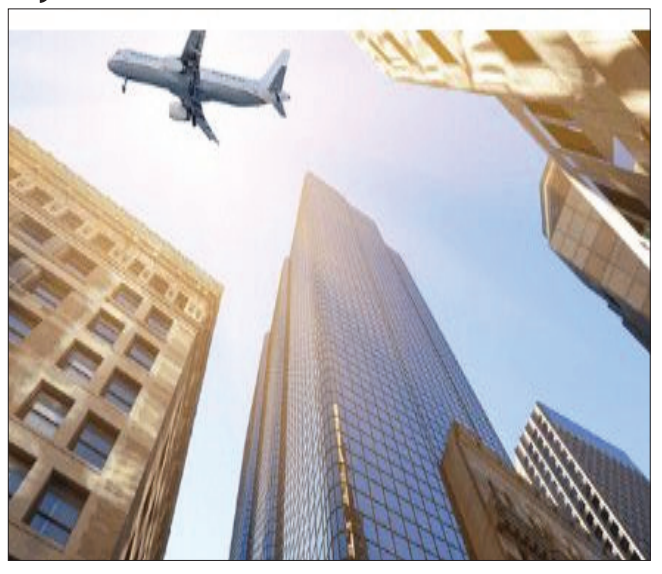

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प बोले- खामेनेई को अभी नहीं मारेंग: जानते हैं सुप्रीम लीडर कहां छिपा, ईरान के आसमान पर हमारा कब्जा

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के आसमान पर हमारा कब्जा है। उनके इस दावे से आशंका बढ़ गई है कि क्या अमेरिका ईरान के खिलाफ इजराइली हमलों में शामिल हो गया है। ट्रम्प ने मंगलवार रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर 3 पोस्ट किए। इसमें उन्होंने लिखा, अब ईरान के आसमान पर हमारा पूरा कंट्रोल है। हम अच्छे से जानते हैं कि सुप्रीम लीडर कहां छिपा है। उस तक पहुंचना बहुत आसान है, लेकिन हम उसे मारेंगे नहीं। कम से कम अभी तो नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने तीसरे और अंतिम पोस्ट में लिखा- अनकंडीशनल सरेंडर (बिना शर्त सरेंडर)। उनके इस पोस्ट से कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने ईरान से इजराइल के खिलाफ युद्ध में हथियार डालने की मांग की है। ईरान का इजराइली मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी ऋ्द्ध की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है। वहीं, इजराइली हवाई हमले में ईरान के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। अली शादमानी ने मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह ली थी। इजराइल ने 13 जून को हमले में उनकी हत्या कर दी थी।

अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी आभूषण चोरी में संदिग्धों की पहचान

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी आभूषण चोरी हुई है। 100 मिलियन डॉलर की ज्वेलरी चोरी के इस मामले में जांच अधिकारियों ने 7 संदिग्धों की पहचान कर ली है। लॉस एंजिलिस के संघीय अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि राज्य के उत्तरी इलाके में एक ग्रामीण फ्रीवे रेस्ट स्टॉप पर बख्तरबंद ट्रक का पीछा कर सात आरोपियों की पहचान की गई है। माना जा रहा है कि यह अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी ज्वेलरी चोरी है। अपराधियों ने लगभग 100 मिलियन डॉलर के हीरे, पन्ने और अन्य सामानों पर हाथ साफ किया है। सात संदिग्धों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें संघीय अदालत में पेश किया जाएगा। अदालत के रिकॉर्ड से पता चला है। चार आरोपी अब भी फरार हैं। एक अन्य संदिग्ध एरिजोना में चोरी के दूसरे मामले में जेल की सजा काट रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पाब्लो राउल लूगो लारोइग और जेसन नेलन प्रेसिला फ्लोरेस नाम के दो आरोपियों को सोमवार को (अमेरिकी समयानुसार) गिरफ्तार किया गया। अभियोग के अनुसार, जुलाई 2022 में चोरी का यह मामला सामने आया था। संदिग्धों ने सैन फ्रांसिस्को के पास वारदात को अंजाम दिया। अपराधियों ने अंतरराष्ट्रीय आभूषण शो से 73 बैग आभूषणों के साथ निकल रहे बख्तरबंद ट्रक को निशाना बनाया था।

अमेरिका : ब्रेन डेड महिला ने बच्चे को दिया जन्म

त्बिलिसी, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक ब्रेन-डेड (मस्तिष्क-मृत) घोषित की जा चुकी गर्भवती महिला एड्रियाना स्मिथ (31) ने बच्चे को जन्म दिया है। महिला को करीब तीन महीने तक जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया, ताकि उसके गर्भ में पल रहा भ्रूण पूर्ण रूप से विकसित होकर जन्म ले सके। एड्रियाना की मां एप्रिल न्यूकिर्क ने मीडिया को बताया कि बच्चे का जन्म शुक्रवार की सुबह सिजेरियन तरीके से समय पूर्व हुआ। बच्चे का वजन लगभग 800 ग्राम है और वह नवजात शिशु गहन देखभाल इकाई (निक्कू वार्ड) में है। बता दें कि एड्रियाना स्मिथ पेशे से नर्स और एक पांच वर्षीय बेटे की मां थीं। उन्हें फरवरी में गंभीर सिरदर्द के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां एमोरी यूनिवर्सिटी अस्पताल ने मस्तिष्क में रक्त के थक्के पाए और उन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया।

गाजा में खाना लेने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों पर टैंकों से गोलाबारी, 59 की मौत

गाजा पट्टी, एजेंसी। गाजा में मंगलवार को सहायता ट्रक से खाना हासिल करने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों पर इस्राइली टैंकों से गोलाबारी की गई। इसमें 59 लोगों की मौत हो गई और 221 लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो में दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस की एक सड़क पर करीब एक दर्जन क्षत-विक्षत शव पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। इस्राइली सेना ने इलाके में गोलीबारी की बात स्वीकार की और कहा कि वह इस घटना की जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इस्राइली टैंकों ने हजारों लोगों की भीड़ पर कम से कम दो गोले दागे। यह भीड़ खान यूनिस होती हुई मुख्य पूर्वी सड़क पर सहायता ट्रकों से भोजन प्राप्त करने की कोशिश में एकत्रित हुई थी। नासर अस्पताल में भर्ती एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, अचानक उन्होंने हमें आगे बढ़ने दिया और सभी को इकट्ठा किया। इसके बाद टैंक से गोले दाग दिए। उनमें कोई दया नहीं थी।

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई बोले- जंग शुरू: इजराइल पर कोई दया नहीं, ईरान में मौत का आंकड़ा 600 के करीब पहुंचा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने मंगलवार देर रात एक्स पर लिखा- जंग शुरू होती है। हम आतंकी यहूदी शासन को कड़ा जवाब देंगे। उन पर कोई दया नहीं दिखाएंगे। इस ऐलान के बाद ईरान ने इजराइल पर 25 मिसाइलें दागी हैं। ईरान-इजराइल के बीच पिछले 5 दिनों से हिंसक संघर्ष जारी था, अब खामेनेई की पोस्ट को जंग का अधिकारिक ऐलान माना जा रहा है। यानी अब इसे संघर्ष की बजाय जंग कहा जाएगा। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जल्द अमेरिका भी इसमें शामिल हो सकता है।

ईरान ने पहली बार फतह मिसाइल का इस्तेमाल किया : ईरानी मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक, ईरान की सैन्य शाखा आईआरजीसी (इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स) ने बुधवार सुबह इजराइल पर पहली बार फतह मिसाइल का इस्तेमाल करने का दावा किया है। आईआरजीसी ने कहा कि ईरान का अब इजराइल के आसमान पर कब्जा हो चुका है। तस्नीम मीडिया के मुताबिक ढ्ढक्रत्नष्ट ने कहा कि फतह मिसाइलों ने इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम को भेद दिया और बार-बार उनके सुरक्षित ठिकानों को निशाना बनाया। बयान में यह भी कहा गया कि यह हमला इजराइल और उसके सहयोगी देशों को ईरान की ताकत का सीधा संदेश था। ईरान ने दावा किया कि इजराइल इन हमलों से खुद को बचाने में पूरी तरह असमर्थ है।

ईरान पर हमला करने पर ट्रम्प ने फैसला नहीं लिया : अमेरिका, इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करेगा या नहीं इस पर अभी तक ट्रम्प ने कोई फैसला नहीं लिया है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने वॉल स्ट्रीट जर्नल को इसकी जानकारी दी। ट्रम्प और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के बीच मंगलवार को एक अहम बैठक हुई थी। इसमें इस पर चर्चा हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प अभी इस उम्मीद में हैं कि अगर अमेरिका सैन्य कार्रवाई की धमकी देता है, तो ईरान बातचीत की मेज पर लौटेगा और अमेरिका की शर्तों को मान लेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा से आने के बाद व्हाइट हाउस में नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ बैठक की। इसके बाद अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में और ज्यादा फाइटर जेट्स भेजने का फैसला किया। वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमनराइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 585 हो चुका है। जबकि, 1,326 लोग घायल हुए हैं। वहीं, ईरान की सरकार ने अब तक मौतों की पूरी जानकारी साझा नहीं की है। आखिरी बार ईरान ने सोमवार को हताहतों की जानकारी शेयर की थी। सरकार के मुताबिक इस लड़ाई 224 ईरानी मारे गए हैं, जबकि 1,277 घायल हुए हैं। इजरायल और ईरान के बीच भीषण जंग जारी है। अब तक इजरायल के हमलों में ईरान में 585 लोग मारे गए हैं और 1,326 लोग जख्मी हुए हैं। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स ग्रुप का कहना है कि इजरायली हमलों में 239 ईरानी नागरिक मारे गए हैं, जबकि 126 सुरक्षा बलों के जवानों की मौत हुई है। बुधवार को भी सुबह से ही दोनों देशों के बीच हमले जारी हैं और ईरान ने तो अब सुपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल भी शुरू कर दिया है। आमतौर पर ईरान हमलों में मरने वालों की जानकारी साझा नहीं करता है, लेकिन उसने भी सोमवार को जो डिटेल दी थी, उसके मुताबिक कुल 224 लोग तब तक मारे गए थे। इसके अलावा 1277 जख्मी हुए हैं। हालात यह हैं कि 6 दिन बाद भी ईरान और इजरायल के बीच जंग बदस्तूर जारी है और फिलहाल समझौते के भी कोई आसार नहीं हैं। ईरान ने भी इजरायल की राजधानी तेल अवीव को टारगेट किया है, लेकिन उसकी ओर से किए गए हमलों में यहूदी मुल्क का बहुत ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। ईरान की राजधानी तेहरान में तो लगातार बड़े नुकसान की खबरें आ रही हैं। हालात यह हैं कि तेहरान में रहने वाले विदेशी लोग तो मुल्क छोड़कर ही निकल रहे हैं, वहीं ईरानी भी जल्दी से जल्दी तेहरान से निकल जाना चाहते हैं। फ्यूल स्टेशनों पर वाहनों की लंबी कतारें दिख रही हैं और लोग अपनी गाड़ियों में ही सामान भरकर जैसे-तैसे निकल जाना चाहते हैं। इजरायल का कहना है कि वह ईरान को परमाणु हथियार तैयार करने से रोकना चाहता है। इसलिए हमले कर रहा है। इजरायल के हमले ऐसे वक्त में शुरू हुए हैं, जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु डील को लेकर चर्चा चल रही थी। बीते सप्ताह ही अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता होने वाली थी, लेकिन उससे ठीक पहले इजरायल ने हमले शुरू कर दिए। ईरान लंबे समय से कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है। लेकिन वह अकेला ऐसा गैर-परमाणु संपन्न देश है, जिसने 60 पर्सेंट लेवल तक यूरेनियम हासिल कर लिया है। परमाणु हथियार तैयार करने के लिए यूरेनियम ग्रेड लेवल 90 पर्सेंट तक होना चाहिए।

अवैध संबंधों में फंसे पाक उच्चायुक्त मारूफ, बांग्लादेश से वापस बुलाना पड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारूफ की कथित अवैध संबंधों के चलते अचानक वापस बुला लिया गया है। आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान ने उन्हें अवकाश पर बताया, लेकिन इम्का और सोशल मीडिया में उनके दो बांग्लादेशी महिलाओं से कथित निजी संबंधों को लेकर चर्चाएं हैं। अब डिप्टी हाई कमिश्नर कार्यवाहक उच्चायुक्त को भूमिका निभाएंगे। पाक ने राजदूत इमरान हैदर को नया उच्चायुक्त नियुक्त किया है। सैयद मारूफ 11 मई को अचानक जींस और टी-शर्ट में ढाका से रवाना हुए, जिसके बाद वे सार्वजनिक रूप से कभी नहीं दिखे. सोशल मीडिया पर यह चर्चा जोरों पर रही कि वह बांग्लादेश की एक 23 वर्षीय बैंककर्मी महिला के साथ कथित रिश्तों के कारण विवादों में फंसे. लड़की की पहचान ढाका निवासी हक के नाम से हुई है, जो बांग्लादेश बैंक में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम करती है. इंस्टाग्राम पर इस लड़की ने सिर्फ मारूफ को फॉलो किया हुआ था. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मारूफ की आखिरी यात्रा कॉक्स बाजार में हुई थी, जहां उसी दौरान यह महिला भी मौजूद थी. इस संयोग ने सोशल मीडिया पर और भी सवाल खड़े कर दिए. आरोप है कि मारूफ हनी ट्रैप में फंस गए थे, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में बांग्लादेश छोड़ना पड़ा. पाकिस्तान ने बाद में आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश को सूचित किया कि उनके डिप्टी हाई कमिश्नर कार्यवाहक उच्चायुक्त के रूप में काम करेंगे. एक विवाद और खत्म हो गया सबकुछ दिलचस्प बात यह है कि मारूफ का कार्यकाल पाकिस्तान-बांग्लादेश संबंधों को बेहतर करने के प्रयासों के लिए जाना जा रहा था. उन्होंने पाकिस्तान के विदेश सचिव की संभावित ढाका यात्रा की तैयारी में अहम भूमिका निभाई थी. लेकिन इस विवाद के बाद सारे प्रयास अधर में लटक गए हैं. यह पहली बार नहीं है जब किसी राजनयिक को बांग्लादेश में हनी ट्रैप विवाद का सामना करना पड़ा हो. इससे पहले एक सऊदी राजदूत को भी इसी तरह के विवाद में अपने देश लौटना पड़ा था. ऐसे मामलों से यह संकेत मिलता है कि राजनयिक सुरक्षा और नैतिक जिम्मेदारियों को लेकर चुनौती बढ़ती जा रही है।

अगले जी7 सम्मेलन की मेजबानी करेगा फ्रांस, इवियन स्पा टाउन में होगा आयोजन

कनानास्किस, एजेंसी। अगले साल जी-7 शिखर सम्मेलन फ्रांस के इवियन शहर में आयोजित किया जाएगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कनाडा के रॉकीज रिसॉर्ट कनानास्किस में 2025 के शिखर सम्मेलन के दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिये यह घोषणा की। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए मैक्रों ने कहा कि इवियन और उसके आसपास के क्षेत्र ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। इवियन-लेस-बेन्स, फ्रांस के आल्प्स पहाड़ों में स्विट्जरलैंड की सीमा के पास बसा है। 19वीं शताब्दी में यह अपने प्राकृतिक झरनों के पानी के लिए मशहूर हुआ था और फिर यह एक उच्च श्रेणी का रिसॉर्ट बन गया। इसने राजघरानों और मशहूर हस्तियों को आकर्षित किया। यह पहली बार नहीं है, जब इवियन अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के केंद्र में होगा। इससे पहले, 1962 में, इवियन समझौते ने अल्जीरियाई युद्ध को समाप्त कर दिया था और इससे उत्तरी अफ्रीकी देश अल्जीरिया को फ्रांस से आजादी मिल सकी। जी-7 शिखर सम्मेलन हर साल दुनिया के सात बड़े लोकतांत्रिक देशों- ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका में बारी-बारी से होता है।

ब्रिटेन की संसद ने अबॉर्शन को अपराधमुक्त करने के लिए किया वोट, 19वीं सदी का कानून हुआ खत्म

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने मंगलवार को इंग्लैंड और वेल्स में गर्भपात को अपराध से मुक्त करने के लिए मतदान किया. यह फैसला ऐसे वक्त में आया है, जब 19वीं सदी के पुराने कानूनों के तहत गर्भपात कराने वाली महिलाओं की पुलिस जांच बढ़ रही है. करीब 60 साल से, इंग्लैंड और वेल्स में गर्भपात वैध है लेकिन यह 24 हफ्ते के गर्भकाल तक सीमित है और इसके लिए दो डॉक्टरों की मंजूरी की जरूरी होती है. हालांकि, विक्टोरियन युग के एक कानून में 24 हफ्ते से ज्यादा वक्त तक गर्भधारण करने वाली महिलाओं के लिए संभावित आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान था. ब्रिटेन में इस कानून के तहत दोषसिद्धि दुर्लभ है, लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद अभियोगों में बढ़ोतरी हुई है, जो एक कानूनी बदलाव के बाद हुई है, जिसके तहत गर्भधारण के 10 हफ्ते तक के गर्भ के लिए घर पर गर्भपात की गोलियां लेने की अनुमति दी गई है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक स्वतंत्र संसदीय मतदान में गर्भपात कराने वाली महिलाओं के लिए सभी अभियोगों को रोकने के लिए एक संशोधन को 379 मतों के मुकाबले 137 मतों के अंतर से शुरुआती स्वीकृति मिली. 24 हफ्ते की सीमा के बाहर गर्भपात करवाने में महिलाओं की सहायता

करने वाले चिकित्सा पेशेवरों पर अभी भी मुकदमा चलाया जा सकता है. यह संशोधन संसद में विचाराधीन एक बड़े विधेयक का हिस्सा है और हाउस ऑफ कॉमन्स और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इसे संशोधित या अस्वीकृत किया जा सकता है. लेबर सांसद टोनिया एंटोनियाज़ी ने बताया कि मौजूदा कानून के कारण पिछले पांच साल में 100 महिलाओं के खिलाफ़ जांच की गई है. उन्होंने बताया कि इन मामलों में वे महिलाएं शामिल हैं, जिन्होंने वक्त से पहले बच्चे को जन्म दिया था या जिन्हें दुर्व्यवहार करने वाले पार्टनर्स द्वारा गर्भपात के लिए मजबूर किया गया था. एंटोनियाज़ी ने संसद को बताया, इनमें से हर मामला हमारे पुराने गर्भपात कानून द्वारा सक्षम एक उपहास है. यह इंसाफ नहीं है, यह क्रूरता है और इसे खत्म किया जाना चाहिए, हालांकि, कुछ राजनेताओं ने संसद के जरिए प्रस्तावित संशोधन को जल्दबाजी में पारित करने के खिलाफ चेतावनी दी, संभावित अनपेक्षित परिणामों की चेतावनी दी।

एक्सिओम मिशन 4 की लॉन्चिंग में फिर देरी; 22 जून से पहले प्रक्षेपण की कोई तैयारी नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक्सिओम मिशन 4 के प्रक्षेपण में एक बार फिर देरी होगी। मिशन अब पहले से तय 19 जून को लॉन्च नहीं होगा। बताया गया कि नासा, एक्जिओम स्पेस और स्पेसएक्स अब रविवार, 22 जून से पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री अभियान एक्सिओम मिशन 4 के प्रक्षेपण का लक्ष्य नहीं बना रहे हैं। प्रक्षेपण तिथि में बदलाव से नासा को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा सेवा मॉड्यूल के सबसे पिछले हिस्से में हाल ही में किए गए मरम्मत कार्य के बाद स्टेशन संचालन का मूल्यांकन जारी रखने का समय मिलेगा।

कई बार टाला जा चुका मिशन : 19 जून वाली लॉन्चिंग टालने से पहले एक्सिओम स्पेस मिशन को 11 जून को फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाना था, लेकिन स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट में ईंधन रिसाव और फिर आईएसएस के रूसी खंड में रिसाव के कारण पहले इसे टालना पड़ा था। सबसे पहले 29 मई को लॉन्च होने वाले इस 14 दिवसीय मिशन को 8 और 10 जून को भी टालना पड़ा था। इसरो ने ट्वीट किया, इसरो, पोलैंड और हंगरी की टीमों ने एक्सिओम मिशन 4 की संभावित लॉन्च टाइमलाइन के बारे में एक्सिओम स्पेस के साथ विस्तृत चर्चा की। इसके बाद एक्सिओम स्पेस ने कई मापदंडों का आकलन करने के लिए नासा और स्पेसएक्स के साथ परामर्श किया। स्पेसएक्स फाल्कन 9 लॉन्च वाहन, ड्रैगन अंतरिक्ष यान की तत्परता की स्थिति, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ज्वेज्दा मॉड्यूल में मरम्मत, चढ़ाई गलियारे की मौसम की स्थिति, चालक दल के स्वास्थ्य और तैयारियों के आधार पर एक्सिओम स्पेस ने सूचित किया है कि अगली संभावित लॉन्च तिथि 22 जून 2025 है। यह मिशन भारत के लिए ऐतिहासिक होगा, साथ ही पोलैंड और हंगरी के लिए भी। ये दोनों देश 40 साल बाद पहली बार मानव अंतरिक्ष उड़ान में हिस्सा लेंगे।

रूस की मदद के लिए उत्तर कोरिया ने फिर बढ़ाए हाथ; बारूदी सुरंग हटाने के लिए भेजेगा सैन्य श्रमिक

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया एक बार फिर रूस की मदद के लिए एक बार फिर पहल की है। उत्तर कोरिया अब रूस के कुर्स्क क्षेत्र में पुनर्निर्माण कार्यों में मदद और बारूदी सुरंग हटाने के लिए हजारों सैन्य श्रमिकों भेजेगा। इससे उत्तर कोरिया और रूस के संबंधों में मजबूती आएगी।

यूक्रेन के खिलाफ जंग में उत्तर कोरिया रूस की कई बार मदद कर चुका है। रूसी समाचार एजेंसी तास के अनुसार रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु ने कहा कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने कुर्स्क क्षेत्र में बारूदी सुरंगों को साफ करने के लिए एक हजार सैनिक और बुनियादी ढांचे को बहाल करने के लिए पांच हजार सैन्य निर्माण श्रमिकों को भेजने का फैसला लिया है।

शोइगु ने कहा कि रूसी धरती से यूक्रेन के सैनिकों को खदेड़ने के बाद हम रचनात्मक सहयोग जारी रखने पर सहमत हुए हैं। इसमें उत्तर कोरिया कुर्स्क क्षेत्र की बहाली में सहायता प्रदान करेगा। यह एक तरह की भाईचारे वाली सहायता है। उन्होंने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया ने कुर्स्क में मरने वाले उत्तर कोरियाई सैनिकों के सम्मान में दोनों देशों में स्मारक बनाने पर सहमति व्यक्त की है।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि किम ने कुर्स्क की वर्तमान स्थिति के संबंध में रूस के साथ उत्तर कोरिया के सहयोग की बात दोहराई। हालांकि उन्होंने सैन्य निर्माण श्रमिक भेजने की बात का जिक्र नहीं किया। किम ने कहा कि उन्होंने रूस की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का हमेशा और बिना शर्त समर्थन किया है। किम और शोइगू ने कुर्स्क क्षेत्र को मुक्त कराने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों के कामों को लंबे समय तक प्रसारित करने के लिए कुछ योजनाओं को मंजूरी दी। शोइगु की यह उत्तर कोरिया की लगभग तीन महीनों में तीसरी यात्रा थी।

ट्रंप ने तीसरी बार बढ़ाई टिकटॉक की बिक्री की समयसीमा; अब 90 दिनों की राहत; जल्द जारी करेंगे आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टिकटॉक की बिक्री की समयसीमा तीसरी बार बढ़ा दी है। अब ट्रंप ने टिकटॉक को बेचने के लिए 90 दिनों की राहत दी है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप टिकटॉक के चीनी मालिक को एप बेचने की समयसीमा बढ़ाने के लिए इस सप्ताह एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे।

इससे पहले, ट्रंप ने अप्रैल की शुरुआत में टिकटॉक को 75 और दिन चलाने की अनुमति दी थी। इस आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद टिकटॉक को अमेरिकी कंपनी को बेचने का सौदा टल गया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप नहीं चाहते हैं कि टिकटॉक बंद हो जाए। यह विस्तार 90 दिनों तक चलेगा, जिसे प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि यह सौदा बंद हो जाए ताकि अमेरिकी लोग इस आश्वासन के साथ ञ्जद्बद्मञ्जश्रद्म का उपयोग करना जारी रख सकें कि उनका डेटा सुरक्षित है।

कनाडा से वाशिंगटन लौटते वक्त पत्रकारों से की बात : ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेकर कनाडा से वाशिंगटन लौटते वक्त मंगलवार सुबह एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह संभवतः समयसीमा को फिर से बढ़ा देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें भरोसा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अंत में टिकटॉक को बेचने की मंजूरी दे देंगे। यह तीसरी बार होगा जब ट्रंप ने समय सीमा बढ़ाई है। पहली बार ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद 20 जनवरी को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद टिकटॉक पर अमेरिका में प्रतिबंध लगा दिया गया था। दूसरी बार अप्रैल में समयसीमा

बढ़ाई गई, जब टिकटॉक को अमेरिकी कंपनी में बदलने की कोशिश हो रही थी, लेकिन ट्रंप की टैरिफ घोषणा के बाद चीन के पीछे हटने से यह सौदा टूट गया था। अमेरिका में टिक टॉक पर क्यों मंडरा रहा संकट टिक टॉक की मूल कंपनी बाइटडांस चीन की है और अमेरिका को आशंका है कि यह एप यूजर्स का डेटा चीन सरकार के साथ साझा कर सकता है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए अमेरिका ने एक कानून पारित किया था, जिसके तहत बाइटडांस को ञ्जद्बद्मञ्जश्रद्म का मालिकाना अधिकार किसी अमेरिकी कंपनी को सौंपना होगा या फिर देश में इसका संचालन बंद करना पड़ेगा। एफबीआई और फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन दोनों ने चेतावनी दी थी कि बाइटडांस उपयोगकर्ता डेटा, जैसे ब्राउजिंग हिस्ट्री, लोकेशन और बायोमेट्रिक जैसी जानकारियों को चीन की सत्तावादी सरकार के साथ साझा कर सकता है। टिकटॉक ने कहा कि उसने ऐसा कभी नहीं किया है और न ही ऐस करने का कोई उद्देश्य रखता है। टिकटॉक ने बाताया कि अमेरिकी सरकार ने ऐसा होने का सबूत नहीं दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना कार्यकाल शुरू करते ही टिक टॉक को बैन से कुछ दिनों की राहत दी थी। टिक टॉक के लिए कौन-कौन हैं दावेदार टिक टॉक के अमेरिकी ऑपरेशन को खरीदने के लिए कई बड़ी कंपनियां मैदान में हैं। इसमें सबसे पहले टेक कंपनी ओरेकल है जिसके पास पहले से ही टिक टॉक ग्लोबल में 12.5प्रतिशत की हिस्सेदारी है और यह इसका क्लाउड टेक्नोलॉजी पार्टनर भी है। इससे अलावा इन्वेस्टमेंट फर्म ब्लैकस्टोन भी टिक टॉक को खरीदने में दिलचस्पी दिखा रही है। वहीं, एआई स्टार्टअप पर्प्लेक्सिटी एआई ने भी टिक टॉक के अमेरिकी कारोबार को अपने साथ मर्ज करने का प्रस्ताव दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत एयरपोर्ट से संबंधित याचिका पर हाईकोर्ट ने जल्दी सुनवाई से किया इनकार

हाईकोर्ट ने इस पर सहमति जताई और कारण सहित आदेश देने की हामी भरी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

12 जून को अहमदाबाद के मेघाणीनगर में एयर इंडिया का प्लेन क्रैश हुआ था। इसी संदर्भ में वर्ष 2019 में सामाजिक कार्यकर्ता विश्वास बांभुरकर द्वारा गुजरात हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी। इस याचिका में कहा गया था कि सूरत एयरपोर्ट के आसपास नियम विरुद्ध निर्माण कार्य हुए हैं, जिससे यात्रियों, क्रू मेंबर्स और आस-पास के नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ी है।

क्या कहा गया याचिका में?

एयरपोर्ट के आसपास उंचे निर्माण कार्य प्लेन की उड़ान और लैंडिंग के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

* प्लेन दुर्घटना होने और भारी जान-माल के नुकसान की पूरी संभावना है।

* एयरक्राफ्ट एक्ट, 1984 के तहत अनधिकृत और खतरनाक निर्माण की पहचान कर उसे खाली कराया जाए और हटाया जाए।

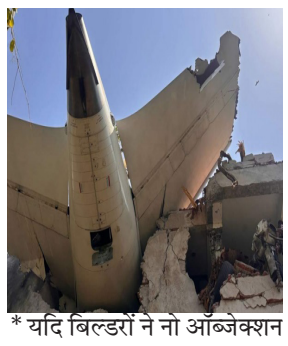

* यदि बिल्डरों ने नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) लिया भी हो, तब भी उन्हें तोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि यह निर्माण आम जनता के जीवन को खतरे में डालते हैं।

* ऐसे बिल्डरों पर दीवानी और फौजदारी केस दर्ज होने चाहिए।

हाईकोर्ट ने क्या किया?

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की।

19 जून को यह याचिका मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल की पीठ के समक्ष प्रस्तुत की गई।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि अहमदाबाद जैसी दुर्घटना सूरत में भी हो सकती है, जिससे 47,000 लोगों की जान खतरे में है। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सुनवाई में उन्हें कोर्ट में अपमानित किया गया और जुर्माना लगाने की धमकी भी दी गई।

हाईकोर्ट का निर्णय:

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की जल्दी सुनवाई की मांग को अस्वीकार कर दिया और कोई निकट तारीख भी नहीं दी।

अब इस याचिका पर **पहले से निर्धारित तारीख 16 जुलाई को ही सुनवाई होगी।

यह याचिका सूरत एयरपोर्ट के आसपास के उच्च और खतरनाक निर्माणों को लेकर है, और अहमदाबाद दुर्घटना के बाद इसकी गंभीरता और भी अधिक हो गई है।

नानाबावां परिवार के तीन लोगों की प्लेन क्रैश में मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सबसे पहले अडाजन निवासी डॉक्टर दंपती के DNA सैंपल मिलान के बाद उनके शव सौंपे गए और उनकी अंतिम क्रिया की गई। अगले दिन कैलाशबेन दयानी की भी अंतिम विदाई संपन्न हुई। इसी दौरान मंगलवार रात को नानाबावां परिवार के अकिल नानाबावां और उनकी पत्नी हाना नानाबावां के शव मिलने पर उसी रात को उनकी दफन विधि की गई। देर रात मास्टर मोहम्मद अदनान का शव भी पहुंचा, जिसकी भी दफन विधि की गई। अगले दिन अकिल और हाना की छह वर्षीय बेटी सारा का भी DNA मैच हो जाने पर, उसके पार्थिव शरीर को सूरत लाकर माता-पिता के बगल में दफनाया गया।

टॉयलेट में निकला ज़हरीला कोबरा, महिला की चीख से मचा हड़कंप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी में बारिश शुरू होते ही सर्पदर्शन की घटनाएं तेजी से बढ़ने लगी हैं। इसी कड़ी में आज एक ऐसा मामला सामने आया जिसे सुनकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

वापी के चला मुक्तानंद रोड स्थित श्री रंग सोसाइटी के एक मकान में आज उस समय हड़कंप मच गया जब एक महिला ने टॉयलेट का दरवाज़ा खोला और देखा कि कमोड में करीब पांच फीट लंबा ज़हरीला कोबरा सांप बैठा हुआ है। दृश्य देखकर महिला घबरा गई और जोर-जोर से चिल्लाते हुए घर के बाहर निकल आई।

महिला की चीख-पुकार सुनकर आस-पड़ोस के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। महिला ने उन्हें बताया कि टॉयलेट में एक बड़ा सांप है। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए वापी क्षेत्र में सक्रिय च्लाइफ रेस्क्यू फाउंडेशनज् को तुरंत सूचना दी।

जानकारी मिलते ही संस्था के सर्प विशेषज्ञ दिलीप सोलंकी घटनास्थल पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि यह अत्यंत ज़हरीला इंडियन स्पेक्टेकल कोबरा (नाग) था। रेस्क्यू के बाद इसकी सूचना वन विभाग को दी गई और कोबरा को सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा गया।

स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू टीम की तत्परता और साहसिक कार्य की सराहना की है। बरसात के मौसम में इस तरह की घटनाओं की आशंका को देखते हुए नागरिकों को सतर्क रहने और किसी भी सर्पदर्शन की स्थिति में विशेषज्ञों से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

पूरी बस के यात्री बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा सिटी और बीआरटीएस बसों में टिकट चोरी रोकने के लिए जुर्माना वसूली, ड्राइवर-कंडक्टर को सस्पेंड करने और ब्लैकलिस्ट तक की कार्रवाई की जा रही है। निगम ने आक्रामक जांच कार्रवाई शुरू की है, लेकिन इसका असर ड्राइवर-कंडक्टरों पर नहीं दिख रहा है। चेकिंग के दूसरे ही दिन एक पूरी बस में यात्रियों से पैसे तो लिए गए, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिए गए — यह सामने आया है।

जांच के दूसरे दिन, टिकट नहीं होने के कारण निगम ने 22,680 का जुर्माना वसूल किया और साथ ही कंडक्टर को सस्पेंड करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है।

सूरत नगर निगम की सिटी और बीआरटीएस बसों में हो रहे टिकट घोटाले पर लगाम लगाने के लिए निगम और सिटी लिंक द्वारा कड़े कदम उठाने से पहले कल एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के पहले ही दिन 15 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पाए गए, जिनसे 1500 का जुर्माना वसूला गया था।

चेकिंग के दूसरे दिन भी — निगम के आश्चर्य के बीच — यह सामने आया कि कंडक्टर यात्रियों से पैसे तो ले रहे हैं, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दे रहे हैं। सूरत नगर निगम की कार्रवाई के दौरान, ट्रांसपोर्ट कमिटी द्वारा खरवर नगर से भाठेना सर्कल तक रूट नंबर 104 और 254 तथा सोसियो सर्कल होते हुए कोमल सर्कल पर रूट नंबर 105 और 205 की सिटी बसों की चेकिंग की गई।

इस चेकिंग के दौरान रूट नंबर 205 की एक बस में ऐसा मामला सामने आया, जिसमें कंडक्टर ने यात्रियों से टिकट के पैसे तो लिए थे, लेकिन किसी को भी टिकट नहीं दी थी। इस पर कंडक्टर को दस गुना पेनल्टी लगाई गई और उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया।

इसी तरह, रूट 105 की सिटी बस में कंडक्टर के पास कलेक्शन से 2250 अधिक रुपए मिले, जिस पर 23 पेनल्टी लगाई गई और कंडक्टर को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की गई।

रूट नंबर 205 के एक अन्य कंडक्टर के पास न तो आईडी कार्ड था और न ही उसने यूनिफॉर्म पहना था, इसलिए उसे सस्पेंड कर दिया गया। कोमल सर्कल पर जब निगम की टीम चेकिंग कर रही थी, तब एक कंडक्टर वीडियो रिकॉर्डिंग करता मिला, जिसे भी तत्काल सस्पेंड कर दिया गया। इसी रूट पर एक अन्य बस कंडक्टर के पास से 3300 रुपए अधिक मिलने पर उसे भी ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया गया है।

चेकिंग के दौरान रूट नंबर 104 के कंडक्टर के पास न यूनिफॉर्म था और न ही आईडी कार्ड, जिस कारण उसे सस्पेंड किया गया। ड्राइवर ने दरवाजा खुला रखकर बस चलाई, इसलिए उस पर "डोर ओपन" पेनल्टी लगाई गई।

रूट नंबर 254 के कंडक्टर के पास भी आईडी कार्ड और यूनिफॉर्म नहीं था और उसने यात्रियों को टिकट नहीं दी थी, इसलिए उसे एक महीने के लिए सस्पेंड किया गया।

रूट 104 की एक अन्य सिटी बस में कंडक्टर ने यात्रियों से पैसे लेकर टिकट नहीं दी, जिस पर 5 पेनल्टी लगाई गई और उसे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

बलीथा रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव वलसाड पुलिस कर रही पहचान की अपील

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिला के वापी टाउन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। पुलिस स्टेशन में दर्ज ए.डी. नं. 43/2025 के तहत मिली जानकारी के अनुसार, बलीथा रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद किया गया है। पुलिस द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह शव वापी टाउन पुलिस स्टेशन के कार्यक्षेत्र में आता है। यदि किसी व्यक्ति का आपके क्षेत्र से कुछ समय से पता न चल रहा हो, या कोई व्यक्ति लापता हो, तो कृपया वापी टाउन पुलिस स्टेशन से तुरंत संपर्क करें।

पुलिस द्वारा शव की पहचान की कोशिश की जा रही है और आम जनता से सहयोग की अपील की गई है ताकि मृतक की पहचान हो सके और उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।

संपर्क करें:

वापी टाउन पुलिस स्टेशन

हमेशा तत्पर रहने वाले सुरक्षा जवानों को स्टील मैन फाउंडेशन की ओर से मिला सम्मान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड़ जिले में दिन-रात जनसेवा में तत्पर रहने वाले पुलिस कर्मियों, होमगार्ड और GRD जवानों का स्टील मैन फाउंडेशन द्वारा सम्मान किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष और उनकी टीम ने इन सुरक्षा कर्मियों को बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए छतरियों का वितरण किया।

ये जवान हर परिस्थिति में, चाहे चिलचिलाती धूप हो या तेज बारिश,हमेशा सड़कों पर डटे रहते हैं और आमजन की सुरक्षा तथा सुविधा के लिए कार्यरत रहते हैं। इस पहल के माध्यम से फाउंडेशन ने न केवल उन्हें आवश्यक सुविधा प्रदान की,बल्कि उनके नि:स्वार्थ सेवा भाव के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

फाउंडेशन अध्यक्ष ने कहा कि ये हमारे असली हीरो हैं, जो बिना किसी उम्मीद के समाज की सेवा में लगे रहते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण को नमन करते हुए, ये छोटा सा प्रयास उन्हें सम्मान देने का हमारा तरीका है।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा जवानों ने भी फाउंडेशन का आभार जताया और कहा कि ऐसे सहयोग से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है और वे पहले से भी अधिक जोश और समर्पण से अपनी ड्यूटी निभाते रहेंगे।

तांतिथइया में हुई मर्डर मिस्ट्री का रहस्य सुलझ गया

रूम पार्टनर की हत्या कर दी गई थी दोस्त को रेलवे ट्रैक पर बांध दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत ज़िले के बड़े औद्योगिक क्षेत्र माने जाने वाले पलसाणा तालुका में चोरी, लूट और हत्या जैसी घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसी ही एक और घटना 1 जून को सामने आई, जब पलसाणा तालुका के तांतीथइया गांव में सुरत-भुसावल रेलवे ट्रैक पर एक परप्रांतीय युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी।

जांच के दौरान मृतक की पहचान तांतीथइया गांव की नीलकंठ सोसायटी में रहने वाले राजकुमार प्रमोद शुक्ला के रूप में हुई। राजकुमार का सिर धड़ से अलग हो गया था, और उसका दायां हाथ नायलॉन की रस्सी से रेलवे ट्रैक के किनारे बांधा गया था।

कुछ दिनों बाद जब पुलिस और परिजनों को राजकुमार की इस हालत में मिली लाश को लेकर संदेह हुआ, तो पुलिस ने इसे दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या के इरादे से की गई साजिश मानकर जांच शुरू की।

दिनों तक चली जांच के बाद पुलिस इस मामले की गहराई तक पहुंची और खुलासा हुआ कि राजकुमार की हत्या उसी के रूम पार्टनर चार दोस्तों ने मिलकर की थी।

पुलिस ने इनमें से दो आरोपियों - सुमन उर्फ सोनू वर्मा और अजीत कुमार महातो को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रेन के आने पर राजकुमार का धड़ शरीर से अलग हो गया।

सुमन, अजीत, राजकुमार, सुनीलकुमार श्रवण और सुमंत राजा — ये सभी आपस में दोस्त थे और रूम पार्टनर के रूप में साथ रहते थे। घटना वाले दिन पैसों के लेन-देन को लेकर राजकुमार से झगड़ा हुआ था। इसी कारण उन्होंने पहले राजकुमार को बेहोश किया और फिर उसे चलथाण के पास रेलवे ट्रैक पर ले गए।

वहां उन्होंने राजकुमार के हाथ को ट्रैक से रस्सी से बांध दिया और घटनास्थल से फरार हो गए। ट्रेन आने पर राजकुमार की मौत हो गई और उसका धड़ शरीर से अलग हो गया।

इस पूरे मामले में अब भी सुनीलकुमार श्रवण और सुमंत कुमार फरार हैं। पुलिस ने हत्या में उनकी संलिप्तता को देखते हुए उन्हें पकड़ने के लिए आगे की जांच तेज़ कर दी है।

नवसारी में भारी बारिश की चेतावनी

19 सड़कें बंद, SDRF की 24 जवानों की टीम तैनात, 23 तारीख तक अति भारी बारिश की संभावना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी जिले में मौसम विभाग ने 23 जून तक अति भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके चलते अब तक 19 सड़क मार्ग बंद हो चुके हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए SDRF (स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स) की 24 जवानों की एक टीम को तैनात किया गया है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और मौसम से जुड़ी चेतावनियों पर ध्यान दें। जोखिम वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

नवसारी और ऊपरी इलाकों में हो रही भारी बारिश के कारण जिले की नदियाँ दोनों किनारों पर बह रही हैं। नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने से लो-लेवल ब्रिज, नाले और छोटे कॉजवे पर पानी भर गया है।

जिला प्रशासन ने ऐसे 19 रास्तों को बंद कर दिया है। ये रास्ते तभी खोले जाएंगे जब पानी का स्तर कम होगा।

मौसम विभाग ने 23 तारीख तक भारी से अति भारी बारिश की संभावना जताई है, जिसको देखते हुए लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। राज्य सरकार ने सूरत के वाव स्थित SDRF टीम को नवसारी में तैनात किया है।

नदियों में बाढ़ जैसी स्थिति या किसी अन्य अवांछित घटना से निपटने के लिए SDRF की 24 जवानों की टीम बचाव उपकरणों के साथ एलर्ट मोड में तैनात है।

गुजरात में 200 से अधिक अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए, लेकिन यह कहां से पकड़े गए — इसका उल्लेख DGP नहीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को तलाशकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने अहमदाबाद और सूरत शहर में छापेमारी कर संदिग्ध बांग्लादेशियों को पकड़ा है।

इसी क्रम में सूरत क्राइम ब्रांच, एसओजी और स्थानीय पुलिस ने सूरत से 109 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है।

फिलहाल सभी को रांदेर स्थित भिक्षुक गृह में रखा गया है। अब पकड़े गए बांग्लादेशियों को डिपोर्ट (देश से बाहर) करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद, सूरत सहित अन्य इलाकों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की तलाश कर उन्हें हिरासत में लिया है। हालांकि राज्य में 200 से अधिक अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए हैं, लेकिन ये सभी कहां-कहां से पकड़े गए — इस बारे में DGP ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है।

जब बांग्लादेशियों की गिरफ्तारी को लेकर सवाल उठे, तब राज्य के गृह मंत्री ने बताया कि "गुजरात पुलिस ने 100 घंटों में 200 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।" इनमें से सिर्फ 36 घंटों में सूरत शहर की पुलिस ने 109 और दो दिनों में भरूच ज़िले की पुलिस ने 46 बांग्लादेशियों को पकड़ा है।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को पकड़ने की गुजरात पुलिस की इस कार्रवाई की राज्य के गृह मंत्री ने सराहना की है।